राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RIN. No. UHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार, 17 दिसंबर 2025

वर्ष 14, अंक 244, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

उत्तर प्रदेश के आवाहन पर जिला मुख्यालय पर धरना....03

ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में कुशरा में सचिवों का प्रदर्शन, डीएससी डोंगल सौंप कर किया कार्य बहिष्कार..04

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पत्रकार महेश लांगा को सुप्रीम कोर्ट से मिली अंतरिम जमानत

ब्यूरो प्रयागराज। सुप्रीम कोर्ट ने 'द हिंदू' में पहले काम कर चुके पत्रकार महेश लांगा को धोखाधड़ी के अपराध से जुड़ी दो स्वतंत्र के संबंध में दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अंतरिम जमानत दी। लांगा को पहली बार 7 अक्टूबर, 2024 को स्वस्त्र धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार किया गया था और 20 फरवरी, 2025 को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया गया। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की बेंच पत्रकार की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

अंतरिम जमानत देते हुए बेंच ने निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता निम्नलिखित शर्तों का पालन करे:

(1)PMLA के तहत विशेष अदालत के निर्देशों पर जमानत बांड जमा करें। (2) विशेष अदालत को 9 गवाहों के बयान दर्ज करने के लिए मामले की सुनवाई दिन-प्रतिदिन के आधार पर करने का निर्देश दिया जाता है। (3) याचिकाकर्ता और उसके वकील को विशेष अदालत को पूरा सहयोग देने का निर्देश दिया जाता है। इस आधार पर कोई स्थगन नहीं दिया जाएगा कि कार्यवाही रद्द करने की याचिका हाईकोर्ट में लंबित है।4) याचिकाकर्ता अखबार के असिस्टेंट एडिटर के पद पर रहते हुए अहमदाबाद में स्पेशल जज के समक्ष उसके खिलाफ लंबित आरोपों के संबंध में कोई लेख प्रकाशित या नहीं लिखेगा। याचिकाकर्ता को अपने आपत्ति/कोई अतिरिक्त सामग्री रिकॉर्ड पर रखने की स्वतंत्रता है। (5) श्वष्ठ याचिकाकर्ता द्वारा शर्तों के अनुपालन के संबंध में एक स्टेटस रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

बेंच ने आगे प्रवर्तन निदेशालय (ED) को याचिकाकर्ता द्वारा उपरोक्त शर्तों के अनुपालन के संबंध में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। बेंच ने चेतावनी दी कि अगर अंतरिम राहत का दुरुपयोग किया गया, तो आदेश वापस ले लिया जाएगा। लांगा की ओर से सीनियर वकील कपिल सिब्बल पेश हुए। ED की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मुकदमे में देरी के लिए लांगा को दोषी ठहराते हुए कहा कि वह इस आधार पर आरोप-सुनवाई को स्थगित करने की मांग कर रहे हैं कि कार्यवाही रद्द करने की उनकी याचिका लंबित है। SG के बयान का खंडन करते हुए सिब्बल ने कहा कि श्वष्ठ आरोपी द्वारा मांगे गए दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा रहा था। सिब्बल ने कहा कि उन्होंने मांगे गए और उपलब्ध नहीं कराए गए दस्तावेजों की एक सूची पेश की है। स्त्र ने इस दावे पर विवाद किया। सिब्बल ने तर्क दिया कि प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट की धारा 45 की दोहरी जमानत शर्तें लागू नहीं होतीं, क्योंकि इसमें शामिल रकम 1 करोड़ रुपये की सीमा पार नहीं करती।

SG ने तर्क दिया कि इसमें शामिल रकम 1 करोड़ से ज़्यादा है। सिब्बल ने तब दावा किया कि श्वष्ठ ने इस संबंध में कोई दस्तावेज़ नहीं दिए। सिब्बल ने कहा कि शिकायत सिर्फ 68 लाख रुपये के लिए दायर की गई। इसमें कोई प्रेडिकेट अपराध भी शामिल नहीं है। स्त्र ने कहा कि मांगे गए दस्तावेज़ शिकायत के साथ संलग्न हैं। सिब्बल ने इस पर कहा कि वे दस्तावेज़ 1 करोड़ से ज़्यादा के नहीं हैं। श्वष्ठ ने 1 करोड़ से ज़्यादा रकम का कोई दस्तावेज़ नहीं दिखाया है।

बेंच ने कहा कि वह इस पहलू पर नहीं जाएगी, क्योंकि यह ट्रायल का मामला है।

बेंच ने जब अंतरिम जमानत देने का प्रस्ताव दिया तो स्त्र ने इसका विरोध किया और मंगलवार तक के लिए सुनवाई टालने की मांग करते हुए कहा, 'पत्रकारों द्वारा पैसे की उगाही एक गंभीर अपराध है। SG ने कहा कि वह बेंच को 1 करोड़ रुपये की संलिप्तता के बारे में संतुष्ट कर सकते हैं। हालांकि, बेंच ने यह कहते हुए अंतरिम जमानत दी कि सच जानने का एकमात्र तरीका ट्रायल है। बेंच ने आगे कहा कि इसलिए वह दिन-प्रतिदिन की कार्यवाही के लिए निर्देश जारी कर रही है। SG ने कहा कि अंतरिम जमानत देना 'अंतिम राहत' के बराबर है। स्त्र ने कहा, 'तथ्यों को देखते हुए मैं चाहता हूं कि माई लॉर्डशिप मुझे तर्क रखने की अनुमति दें। एक बार जब वह बाहर आ जाता है तो यह ऐसा ही है, जैसे SLP स्वीकार कर ली गई हो। पत्रकारों द्वारा यह कहते हुए पैसे की उगाही करना कि अगर आप पैसे नहीं देंगे तो मैं आपके खिलाफ लिखूंगा, एक गंभीर अपराध है। सिब्बल ने जवाब दिया, 'उद्योगपतियों द्वारा पत्रकारों को निशाना बनाना भी गंभीर है। ' बेंच ने जब मामले को जनवरी में पोस्ट करने का निर्देश दिया तो स्त्र ने कहा, 'यह किसी भी तारीख को हो सकता है। अब जब वह बाहर है, तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

बेंच ने जब अंतरिम जमानत देने का प्रस्ताव दिया तो स्त्र ने इसका विरोध किया और मंगलवार तक के लिए सुनवाई टालने की मांग करते हुए कहा,

'पत्रकारों द्वारा पैसे की उगाही एक गंभीर अपराध है '। SG ने कहा कि वह बेंच को 1 करोड़ रुपये की संलिप्तता के बारे में संतुष्ट कर सकते हैं। हालांकि, बेंच ने यह कहते हुए अंतरिम जमानत दी कि सच जानने का एकमात्र तरीका ट्रायल है। बेंच ने आगे कहा कि इसलिए वह दिन-प्रतिदिन की कार्यवाही के लिए निर्देश जारी कर रही है। स्त्र ने कहा कि अंतरिम जमानत देना 'अंतिम राहत' के बराबर है।

SG ने कहा,'तथ्यों को देखते हुए मैं चाहता हूं कि माई लॉर्डशिप मुझे तर्क रखने की अनुमति दें। एक बार जब वह बाहर आ जाता है तो यह ऐसा ही है, जैसे SLP स्वीकार कर ली गई हो। पत्रकारों द्वारा यह कहते हुए पैसे की उगाही करना कि अगर आप पैसे नहीं देंगे तो मैं आपके खिलाफ लिखूंगा, एक गंभीर अपराध है।' सिब्बल ने जवाब दिया,

'उद्योगपतियों द्वारा पत्रकारों को निशाना बनाना भी गंभीर है। '

बेंच ने जब मामले को जनवरी में पोस्ट करने का निर्देश दिया तो स्त्र ने कहा, 'यह किसी भी तारीख को हो सकता है। अब जब वह बाहर है, तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

300 वकीलों के चैंबर पर चला बुलडोजर, विरोध में रोड जाम कर अनिश्चितकालीन हड़ताल का किया ऐलान

● मथुरा बार एसोसिएशन से जुड़े वकीलों के चैंबर रात में तोड़े गए, आक्रोशित अधिवक्ताओं ने डीएम कार्यालय भी घेरा।

ब्यूरो प्रयागराज सिविल लाइन में बने वकीलों के चैंबरों पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया. इससे आक्रोशित अधिवक्ताओं ने कचहरी पर रोड जाम कर दिया. अधिवक्ताओं ने नारेबाजी करते हुए अधिकारियों के खिलाफ नाराजगी जाहिर की और अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए। दरअसल, रविवार को कचहरी रोड कलेक्ट परिसर में अधिवक्ताओं के चैंबरों पर बुलडोजर चला दिया गया. चेंबर टूटने की सूचना पर सैकड़ों वकील सोमवार को पहले डीएम कार्यालय का घेराव किया. अधिकारियों का संतुष्ट जवाब न मिलने पर सिविल लाइन पर रोड जाम कर दिया और अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी करने लगे. इसके बाद अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान कर दिया. अधिवक्ताओं ने कहा, न्यायालय प्रसार में कोई कामकाज नहीं किया जाएगा. जब तक पुनः चैंबर नहीं बन जाएंगे, तब तक विरोध प्रदर्शन करते रहेंगे।

जाम की सूचना मिलने पर पुलिस प्रशासन और पीएसी बुलाकर अधिवक्ताओं को समझाया गया. अधिवक्ताओं के ज्ञापन पर डीएम ने चेंबर तोड़ने के प्रकरण में कमेटी गठित की है. जिसमें अपर जिलाधिकारी, राजस्व और एसपी सिटी शामिल हैं।

शैलेश कुमार दुबे ने बताया कि मथुरा बार एसोसिएशन अधिवक्ताओं के 300 चैंबर रविवार की रात को बुलडोजर चला कर तोड़ दिए गये. अधिकताओं को किसी प्रकार का कोई नोटिस नहीं दिया गया. क्लाइंट के महत्वपूर्ण दस्तावेज कंप्यूटर लैपटॉप और जरूरी कागजात गायब हो गए हैं. पुलिस प्रशासन का रवैया बेहद ही खराब है. हम लोग अनिश्चितकालीन हड़ताल पर रहेंगे।

अधिवक्ता राजेंद्र फरारी ने कहा कि जो सबकी लड़ाई लड़ता है, उसको आज सड़कों पर उतरकर अपनी बात रखनी पड़ रही है और विरोध करना पड़ा है. जिला प्रशासन ने बिना किसी नोटिस के अधिवक्ताओं के 300 चैंबर रात ही रात में ध्वस्त कर दिए, जो कि गलत है. अगर चैंबर अवैध थे, तो जब बन रहे थे तब क्यों नहीं रोका गया. जब तक चैंबर नहीं बनेंगे तब तक अनिश्चितकालीन हड़ताल करते रहेंगे।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर भूसे से लदा हुआ ट्रक खाई में जा गिरा, चालक की हालत नाजुक

प्रयागराज। बारा अंतर्गत जसरा विकासखंड में सोमवार को एक सड़क हादसा हुआ। खटंगिया गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर भूसे से लदा एक ट्रक बेकाबू होकर खाई में जा गिरा।इस दुर्घटना में ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया।जिसे उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार भूसे से लदा हुआ ट्रक मामा-भांजा तालाब की ओर जा रहा था। खटंगिया गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहुंचते ही चालक का संतुलन बिगड़ गया।बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार और सड़क पर हल्के मोड़ के कारण ट्रक बेकाबू होकर सड़क किनारे गहरी खाई में चला गया। जिसमे ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हुआ है। स्थानीय लोगों की मदद से घायल चालक को खाई से बाहर निकाला गया,और तत्काल एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। डॉक्टर के अनुसार चालक की हालत फिलहाल स्थिर है, हालांकि उसे सिर और हाथ-पैर में चोटें लगी है। दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई,और स्थिति का जायजा ले रही है।ट्रक में लदा भूसा खाई में बिखर गया, जिससे आसपास का क्षेत्र अस्त-व्यस्त हो गया।दुर्घटना के कारण नेशनल हाईवे पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा। पुलिस और स्थानीय लोगों के सहयोग से सड़क के किनारे बिखरा भूसा हटाने का काम शुरू किया गया,ताकि आवागमन सामान्य किया जा सके। कड़ी मशक्कत के बाद क्रेन की मदद से ट्रक को खाई से बाहर निकाला गया।स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि इस रास्ते में अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती है।उनका आरोप है कि नेशनल हाईवे होने के बावजूद कई स्थानों पर संकेतक और सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त नहीं है। तेज रफ्तार वाहनों के कारण अक्सर हादसे हो जाते हैं जिससे लोगों की जान को खतरा बना रहता है।

संक्षिप्त ख़बरें

नो इंट्री के बावजूद बाजार में ओवरलोड वाहनों के आने से यातायात बाधित, प्रशासन मौन

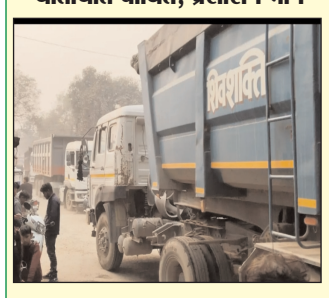

प्रयागराज। तहसील बारा अंतर्गत थाना क्षेत्र घूरपुर गौहनिया बाजार क्षेत्र में इन दिनों अवैध रूप से बालू लादकर ओवरलोड डंपरोंट्रैक्टरों का आवागमन बदस्तूर लगातार जारी है।नियमों के विपरीत बाजार क्षेत्र में नो एंट्री लागू होने के बावजूद भारी भरकम डंपर दिन-रात सड़कों पर दौड़ते नजर आ रहे हैं। इससे न केवल यातायात व्यवस्था चरमरा गई है,बल्कि आम जनजीवन भी गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। इस समस्या से सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को उठानी पड़ रही है। हाल ही में नो एंट्री के समय ओवरलोड डंपरों के कारण लगे जाम में कई स्कूल बसें और ऑटो लगभग आधे घंटे तक फंसे रहते हैं। परीक्षा देने वाले छात्र-छात्राएं भी समय पर अपने परीक्षा केंद्र नहीं पहुंच सकते। जिससे बच्चों और अभिभावकों में भारी उबाल है।भारी वाहनों के बीच से गुजर रहे बच्चों की सुरक्षा के लिए भी चिंता का विषय है।डंपरों से उड़ने वाली धूल से व्यापारियों का व्यवसाय भी प्रभावित हुआ है। दुकान के सामने हर समय धूल की समस्या बनी रहती है,जिससे ग्राहकों की आवाजाही कम होने लगी है।व्यापारियों ने बताया कि लगातार धूल और प्रदूषण के कारण सांस संबंधी बीमारियां आंखों में जलन और एलर्जी जैसी समस्याएं आम हो गई है। कई दुकानदार और कर्मचारी आए दिन बीमार पड़ रहे हैंलेकिन उनकी शिकायतों पर अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ओवरलोड डंपरों का यह सिलसिला लंबे समय से चल रहा है। आए दिन सड़क हादसों में लोगों की जान जा रही है,फिर भी प्रशासन और पुलिस की ओर से कोई सख्त कदम नहीं उठाया जा रहा है।लोगों का कहना है कि पुलिस सब कुछ देखती रहती है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर केवल औपचारिकता ही पूरी की जाती है।इससे अवैध बालू परिवहन करने वालों के हौसलों में इजाफा हुआ है।

थारू जनजाति के बच्चों के भविष्य से खुला खिलवाड़

● गुरु जी नदारद, रसोई गैस घोटाला उजागर, जंगल की लकड़ी पर पक रहा मध्यान्ह भोजन

पचपेड़वा (बलरामपुर)। सरकार भले ही मध्यान्ह भोजन योजना को बच्चों के पोषण और शिक्षा से जोड़कर उनकी सेहत व भविष्य संवारने का दावा करती हो, लेकिन शिक्षा क्षेत्र पचपेड़वा अंतर्गत भगवानपुर कोड़र के मजरे स्थित प्राथमिक विद्यालय सोनपुर में यह योजना कागजों तक ही सीमित नजर आ रही है। यहां की जमीनी हकीकत सरकारी दावों की पोल खोलने के लिए काफी है। विद्यालय में तैनात गुरु जी अक्सर गायब रहते हैं। शिक्षण कार्य पूरी तरह प्रभावित है और बच्चों को पढ़ाने वाला कोई जिम्मेदार व्यक्ति नियमित रूप से मौजूद नहीं रहता। वहीं दूसरी ओर मध्यान्ह भोजन योजना भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुकी है। स्थिति यह है कि विद्यालय में खाना बनाने वाली रसोईयां रसोई गैस के अभाव में अपने घरों से या जंगल से लकड़ी लाकर बच्चों का भोजन बनाने को मजबूर हैं।

रसोई गैस का पैसा कहां गया?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब सरकार द्वारा मध्यान्ह भोजन के लिए रसोई गैस का अलग से भुगतान किया जाता है, तो फिर गैस सिलेंडर क्यों नहीं है? स्थानीय सूत्रों के अनुसार गैस के नाम पर मिलने वाली धनराशि का बंदरबांट कर लिया जाता है। इसका खामियाजा थारू जनजाति के मासूम बच्चे भुगत रहे हैं, जिन्हें धुएं में बना भोजन खाने को मजबूर किया जा रहा है।

स्वास्थ्य और सुरक्षा दोनों से खिलवाड़

लकड़ी पर खाना बनाना न सिर्फ सरकारी नियमों का उल्लंघन है, बल्कि इससे बच्चों और रसोईयों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। धुएं से आंखों और फेफड़ों की बीमारियों का खतरा बना रहता है। सवाल यह भी है कि यदि जंगल से लकड़ी लाने के दौरान कोई हादसा हो जाए, तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा?

थारू जनजाति के बच्चों के साथ दोहरा अन्याय

पहले ही सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े थारू जनजाति के बच्चे शिक्षा के

सहारे आगे बढ़ने की उम्मीद करते हैं, लेकिन इस तरह की लापरवाही और भ्रष्टाचार उनके सपनों को कुचल रहा है। विद्यालय में न तो नियमित पढ़ाई हो रही है और न ही गुणवत्तापूर्ण, पौष्टिक भोजन मिल पा रहा है।

प्रशासनिक चुप्पी पर सवाल

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि इस संबंध में कई बार शिकायतें की गई, लेकिन अब तक न तो कोई ठोस जांच हुई और न ही जिम्मेदारों पर कार्रवाई। यह सवाल खड़ा होता है कि खंड शिक्षा अधिकारी, बेसिक शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन आखिर किस दबाव में चुप्पी साधे हुए हैं?

जांच नहीं हुई तो आंदोलन की चेतावनी

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि इस पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कर दोषी शिक्षकों और कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई

नहीं की गई, तो वे धरना-प्रदर्शन और आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

अब निगाहें जिला प्रशासन पर टिकी हैं कि वह इस गंभीर मामले में कब संज्ञान लेता है। क्योंकि यह सिर्फ एक विद्यालय की बदहाली की कहानी नहीं, बल्कि थारू जनजाति के बच्चों के भविष्य पर लग रहा सीधा प्रश्नचिन्ह है। मध्यान्ह भोजन योजना में भ्रष्टाचार, शिक्षा व्यवस्था पर करारा तमाचा।

ओसा ग्राम पंचायत सचिवालय पर महीनों से लगा ताला, ग्रामीणों को तय करनी पड़ रही है, लम्बी दूरी

प्रयागराज। यमुनापार तहसील बारा क्षेत्र शंकरगढ़ विकासखंड अंतर्गत ओसा ग्राम पंचायत का सचिवालय पिछले कई महीनो से बंद पड़ा है।सचिवालय पर लगातार ताला लगे रहने से ग्रामीणों को भारी असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। पंचायत स्तर पर मिलने वाली आवश्यक सुविधाएं और सरकारी कार्य पूरी तरह से ठप हो गए हैं। जिससे ग्रामीणों में रोष है।ग्रामीणों का कहना है, कि ग्राम पंचायत सचिवालय का निर्माण इस उद्देश्य से किया गया था, कि स्थानीय लोगों को छोटे-मोटे कार्यों के लिए ब्लॉक कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें। हालांकि, सचिवालय बंद होने के कारण ग्रामीणों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए करीब 50 किलोमीटर दूर शंकरगढ़ ब्लाक कार्यालय जाना पड़ता है।

इस प्रक्रिया में उनका समय और धन दोनों बर्बाद होता है, जिससे विशेषकर बुजुर्गों, महिलाओं और गरीब ग्रामीणों को सबसे अधिक कठिनाई होती है। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत सचिवालय में सहायक ऑपरेटर प्रेमचंद, ग्राम प्रधान गणेश कुमार और सम्बंधित पंचायत सचिव नियमित रूप से उपस्थित नहीं होते। यही कारण है कि पंचायत भवन आए दिन बंद ही रहता है। सचिवालय बंद होने से जन्म प्रमाण-पत्र, मृत्यु प्रमाण-पत्र,आय,जाति और निवास प्रमाण-पत्र जैसे महत्वपूर्ण कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इसके अतिरिक्त पेंशन, आवास योजना, मनरेगा, राशन कार्ड सुधार और शिकायत निवारण जैसे आवश्यक सरकारी कार्य भी रुके हुए हैं। कई ग्रामीणों ने शिकायत किया है कि बार-बार ब्लॉक कार्यालय जाने के बावजूद उन्हें संतोषजनक समाधान नहीं मिल रहा है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि सचिवालय बंद होने से सरकारी योजनाओं की कोई जानकारी उन्हें नहीं हो पाती। परिणामस्वरुप, पात्र व्यक्ति भी इन सरकारी योजनाओं का लाभ लेने से वंचित रह जाते हैं। ग्रामीणों ने खंड विकास अधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी और जिलाधिकारी प्रयागराज से यह मांग किया है कि पंचायत भवन को रोजाना नियमित खुलवाने के लिए प्रेरित किया जाए।

बवन्धर नहर सफाई में खेल! किसानों की गेहूं सिंचाई पर संकट

● आधा-अधूरा काम कर उड़ाए जा रहे सरकारी पैसे।

बारा प्रयागराज। यमुनानगर क्षेत्र के बारा तहसील अंतर्गत ग्राम सभा बवन्धर में नहर की सफाई का कार्य इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। कागजों में चल रही नहर सफाई और जमीनी हकीकत के बीच बड़ा अंतर साफ दिखाई दे रहा है। जिस नहर के भरोसे सैकड़ों किसान गेहूं की फसल की सिंचाई करते हैं, वही नहर आज आधी-अधूरी सफाई के कारण खुद बदहाली की शिकार है। स्थानीय किसानों का आरोप है कि नहर की सफाई महज औपचारिकता निभाने तक सीमित है। जगह-जगह सिर्फ ऊपर-ऊपर से मिट्टी हटाई गई है, जबकि नहर की गहराई में जमी सिल्ट जस की तस पड़ी हुई है। इसका सीधा असर किसानों पर पड़ रहा है–नहर में पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा, जिससे गेहूं की सिंचाई बाधित हो रही है और फसल सूखने की कगार पर है।किसानों का कहना है कि सरकार जहां एक ओर खेती को बढ़ावा देने और किसानों की आय दोगुनी करने

की बात कर रही है, वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर सरकारी धन की बंदरबांट खुलेआम हो रही है। आरोप है कि संबंधित ठेकेदार द्वारा जानबूझकर अधूरा काम दिखाकर सरकारी पैसे डकारने की साजिश रची जा रही है।

चुनावी माहौल में नहर सफाई के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च दिखाकर जिम्मेदार अपनी जेबें भरने में जुटे हैं। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि यदि समय रहते नहर की पूरी और सही सफाई नहीं कराई गई तो आने वाले दिनों में किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। बवन्धर सहित आसपास के गांवों के किसान प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि नहर सफाई कार्य की निष्पक्ष जांच कराई जाए, दोषी ठेकेदार पर कार्रवाई हो और किसानों को समय पर पानी उपलब्ध कराया जाए। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रशासन इस गंभीर मामले पर संज्ञान लेगा ।

माघ मेला पुलिस कन्ट्रोल रूम- का पुलिस अधीक्षक माघ मेला ने किया उद्घाटन

ब्यूरो प्रयागराज। माघ मेला-2026 को सकुशल संपन्न करने के लिए आज दिनांक 15-12-2025 को पुलिस अधीक्षक माघ मेला नीरज कुमार पाण्डेय IPS व अपर मेलाधिकारी दयानंद प्रसाद IAS के द्वारा माघ मेला पुलिस कंट्रोल रूम का उद्घाटन किया गया 7 माघ मेला कंट्रोल रूम द्वारा भीड़ प्रबंधन सुरक्षा और आपातकालीन प्रक्रिया के लिए मेले का मुख्य केंद्र होगा। जहां पर 24×7 निगरानी, AI आधारित कैमरे, खोया पाया प्रबंध का उपयोग करके श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित और सुचारू अनुभव सुनिश्चित किया जायेगा। माघ मेला पुलिस कंट्रोल रूम में 4 ग्रेड बनाए गए हैं जिससे सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में एक दूसरे से वार्ता की जा सकेगी। माघ मेला-2026 मे कंट्रोल रूम नम्बर-9454408005 होगा। उद्घाटन के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक माघ मेला विजय आनंद, सहायक रेडियो अधिकारी राहुल कुमार, रेडियो अधिकारी रमानिवास पाण्डेय, प्रभारी कंट्रोल रूम अनिल कुमार सिंह एवं अन्य प्रमुख अधिकारी/कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

कंपकंपाती ठंड में प्रशासन बेपरवाह, बारा की गांव- गलियों में अलाव नदारद

● गरीबों की सर्द रातें बनीं सवाल, एसडीएम की जिम्मेदारी पर उठे प्रश्न।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बारा प्रयागराज। यमुनानगर क्षेत्र के बारा तहसील अंतर्गत कई ग्राम सभाओं में कड़ाके की ठंड ने जनजीवन को बेहाल कर दिया है। रात होते ही सर्द हवाएं हड्डियों में उतर रही हैं, लेकिन गांव की गलियों, चौराहों और बसावटों में वह सहारा–अलाव–कहीं नजर नहीं आ रहा, जो गरीब, मजदूर और बेसहारा लोगों के लिए जीवनरेखा होता है।

ठंड में लिपटे बुजुर्ग, आग की आस में सिकुड़ते मजदूर और ठंड से कांपते बच्चे–यही तस्वीर इन गांवों की हकीकत बयां कर रही है। ठंड का असर लगातार बढ़ता जा रहा है,मगर प्रशासनिक इंतजाम कागजों से बाहर नहीं निकल पा रहे। सवाल यह है कि जब मौसम का मिजाज पहले से ही साफ था, तो अलाव की व्यवस्था समय पर क्यों नहीं कराई गई?

ग्रामीणों का कहना है कि हर साल ठंड से पहले अलाव की व्यवस्था का दावा किया जाता है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही होती है। इस बार भी वही कहानी दोहराई जा रही है–आदेश हैं, निर्देश हैं, लेकिन आग नहीं है।

ऐसे में सबसे ज्यादा मार उन लोगों पर पड़ रही है, जिनके पास ठंड से बचने का कोई और साधन नहीं। पूरे मामले में उपजिलाधिकारी बारा प्रेरणा गौतम की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि तहसील स्तर से यदि समय रहते निगरानी और निर्देश दिए जाते, तो हालात इतने गंभीर नहीं होते। प्रशासन की यह सुस्ती कहीं न कहीं आम जनता पर भारी पड़ रही है। अब देखना यह है कि प्रशासन नींद से कब जागता है और बारा तहसील की गांव- गलियों में अलाव जलने की रोशनी कब दिखाई देती है, या फिर गरीबों की ठंडी रातें यूं ही सवाल बनकर प्रशासन को आईना दिखाती रहेंगी।

विश्व कप नहीं, राष्ट्र का उत्सव: भारतीय स्क्वैश का स्वर्णाभिषेक

[स्वर्ण के स्पर्श से ओलंपिक तक: भारत का स्क्वैश महायान]
[स्वप्न, साधना और स्वर्ण: भारतीय स्क्वैश का अमर अध्याय]

14 दिसंबर 2025 की उस उत्साह से भरी चेन्नई की जीवंत शाम, जब एक्सप्रेस एवेन्यू मॉल का शीशे से घिरा स्क्वैश कोर्ट तिरंगे की गूंज से थर्रा उठा। भारत ने खेल इतिहास में एक ऐसा अध्याय रच दिया जो केवल रिकॉर्ड पुस्तकों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पीढ़ियों की स्मृतियों में स्वर्णाक्षरों में अंकित होगा। यह क्षण मात्र विश्व कप जीतने का नहीं, बल्कि उस सपने की पूर्णता था जिसे भारतीय स्क्वैश वर्षों से संजोए हुए था।

टॉप सीड हांगकांग चीन को फाइनल में एकतरफा 3-0 से परास्त कर भारत न सिर्फ विश्व चैंपियन बना, बल्कि इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी पर अधिकार जमाने वाला एशिया का पहला देश भी। यह जीत साहस, रणनीति, धैर्य और अदम्य इच्छाशक्ति की सामूहिक विजयगाथा थी। यह खिताब इसलिए भी ऐतिहासिक है क्योंकि भारत पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहा। ग्रुप स्टेज में स्विट्जरलैंड और ब्राजील को 4-0 से रौंदना हो, क्वार्टर फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 3-0 से बाहर करना हो, सेमीफाइनल में दो बार के डिफेंडिंग चैंपियन मिस्र को बिना एक भी मैच गंवाए हराना हो, या फाइनल में हांगकांग जैसी मजबूत टीम को पूरी तरह निष्प्रभावी करना–हर चरण में भारत ने अपनी सर्वोच्चता स्थापित की। एक भी टाई गंवाए बिना यह अभियान भारत को ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और मिस्र के बाद विश्व कप जीतने वाला केवल चौथा देश बनाता है, और एशिया में उसे निर्विवाद अग्रदूत के रूप में स्थापित करता है। फाइनल की शुरुआत भारत की अनुभवी योद्धा, 39 वर्षीय जोशना चिनप्पा से हुई। विश्व रैंकिंग में 79वें स्थान पर होने के बावजूद उन्होंने 37वीं रैंकिंग वाली का यी ली को 7-3, 2-7, 7-5, 7-1 से पराजित कर अनुभव की शक्ति का सशक्त प्रमाण दिया। तीसरे गेम में निर्णायक क्षणों में धैर्य और रणनीति से बाजी पलटना और चौथे गेम में प्रतिद्वंद्वी को महज एक अंक पर रोक देना–यह प्रदर्शन केवल तकनीकी श्रेष्ठता नहीं, बल्कि मानसिक दृढ़ता की जीत था। चेन्नई की अपनी बेटी जोशना घरेलू दर्शकों के जोशीले समर्थन से प्रेरित दिखीं और उन्होंने इसे अपने करियर की शीर्ष पाँच प्रस्तुतियों में शामिल बताया। यह जीत उस खिलाड़ी की कथा थी जिसने उम्र को कभी अपनी सीमा नहीं बनने दिया। इसके बाद जब अभय सिंह कोर्ट पर उतरे, तो मुकाबले की गति ही बदल गई। युवा जोश और निर्भीक आक्रमण उनके हर शॉट में झलक रहा था। विश्व रैंकिंग में 29वें स्थान पर काबिज अभय ने हांगकांग के एलेक्स लाउ को महज 19 मिनट में 7-1, 7-4, 7-4 से सीधे गेमों में परास्त कर भारत को 2-0 की अजेय बढ़त दिला दी। उनकी जबरदस्त फिटनेस, बिजली-सी फुर्ती और निशाने पर लगते शॉट्स ने प्रतिद्वंद्वी को पलटवार का अवसर तक नहीं दिया। चेन्नई के इस स्थानीय नायक ने जीत को 'अविश्वसनीय' बताते हुए कहा कि दर्शकों का अपार स्नेह ही उनकी सबसे बड़ी ताकत बना। निर्णायक मुकाबले में 17 वर्षीय अनाहत सिंह ने उतरते ही यह जता दिया कि भारतीय स्क्वैश का भविष्य कितना उज्ज्वल है। विश्व रैंकिंग में 28वें स्थान पर काबिज इस युवा सनसनी ने एशियन चैंपियन टोमाटो

हो (रैंक 31) को 7-2, 7-2, 7-5 से पराजित कर खिताब पर अंतिम मुहर लगा दी। पहले दो गेमों में उनका दबदबा और तीसरे गेम में दबाव के क्षणों में दिखाया गया संयम असाधारण था। महज 16 मिनट में दर्ज इस जीत ने स्पष्ट कर दिया कि वह केवल एक प्रतिभा नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों की नेतृत्वकर्ता है। टीम के चौथे सदस्य वेलवन सेंथिलकुमार को कोर्ट पर उतरने की आवश्यकता ही नहीं पड़ी–इतनी निर्णायक थी भारतीय टीम की बढ़त। यह विजय अनेक अर्थों में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। वर्ष 2023 में इसी वेन्यू पर भारत ने जहां कांस्य पदक हासिल किया था, वहीं महज दो वर्षों के भीतर उसी मंच पर स्वर्ण तक पहुंचना भारतीय स्क्वैश के तेज़ और ठोस विकास का सशक्त प्रमाण है। कोच हरिंदर पाल संधु ने इसे 'उच्च दबाव में परफेक्ट प्रदर्शन' करार दिया–ऐसा प्रदर्शन जिसमें रणनीति की स्पष्टता, अनुशासन की गहराई और आत्मविश्वास की चमक एक साथ दिखाई दी। यह जीत भारतीय खेल तंत्र की उस परिपक्वता को रेखांकित करती है, जहां लक्ष्य अब केवल प्रतिस्पर्धा करना नहीं, बल्कि निरंतर वर्चस्व स्थापित करना बन चुका है। सबसे महत्वपूर्ण यह कि स्क्वैश 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में पदार्पण करने जा रहा है। विश्व चैंपियन के रूप में भारत अब केवल प्रतिभागी नहीं, बल्कि ओलंपिक पदक का प्रबल दावेदार होगा। यह ट्रॉफी खेल की लोकप्रियता को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी, संसाधनों और फंडिंग के नए द्वार खोलेगी और देशभर से युवा प्रतिभाओं को आगे आने की प्रेरणा देगी। सौरव घोसल से जोशना चिनप्पा तक, और अब अनाहत सिंह व अभय सिंह की नई पीढ़ी तक–भारतीय स्क्वैश की यह यात्रा संघर्ष, निरंतरता और प्रेरणा की जीवंत मिसाल है। चेन्नई की उस शाम ने यह स्पष्ट कर दिया कि स्क्वैश, जिसे कभी सीमित दायरों का खेल माना जाता था, आज भारतीय खेल संस्कृति का सशक्त और अभिन्न अंग बन चुका है। अनुभव और युवा जोश का यह अद्भुत संगम अब केवल एशिया तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे विश्व को चुनौती देने की क्षमता रखता है। यह विश्व कप किसी अध्याय का अंत नहीं, बल्कि एक भव्य शुरुआत है–ओलंपिक की ओर बढ़ते भारत के कदम अब और तेज़, और कहीं अधिक दृढ़ हो चुके हैं। भारत का यह स्क्वैश क्राउन केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि उस स्वर्णिम युग की घोषणा है, जिसमें भारत स्क्वैश के नए सिकंदर के रूप में उभर कर सामने आया है।

प्रो. आरके जैन

भारतीय विदेश नीति का एक दशक, राजनीतिक, सामरिक और वैचारिक परिपक्वता की मजबूत पृष्ठभूमि

पिछले एक दशक में भारतीय विदेश नीति ने जिस प्रकार वैश्विक संतुलन में अपनी सशक्त, सक्रिय और विश्वसनीय उपस्थिति दर्ज कराई है, वह वर्तमान वैश्विक उथल-पुथल, रूस यूक्रेन युद्ध, अमेरिका चीन रणनीतिक प्रतिस्पर्धा, पश्चिम एशिया में अस्थिरता तथा पाकिस्तान की आंतरिक-बाह्य राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच और भी अधिक प्रासंगिक हो जाती है, क्योंकि इन सभी संदर्भों में भारत ने भावनात्मक प्रतिक्रियाओं के बजाय विवेकपूर्ण, हित-आधारित और दीर्घकालिक दृष्टि से संचालित विदेश नीति का परिचय दिया है। अमेरिका के साथ भारत के संबंध बीते वर्षों में रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक विकसित हुए हैं, जहाँ रक्षा सहयोग, इंडो-पैसिफिक रणनीति, क्वाड मंच, सेमीकंडक्टर, उच्च प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष और आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण जैसे क्षेत्रों में सहयोग ने दोनों देशों को निकट लाया है, किंतु इसके साथ ही भारत ने यह स्पष्ट रखा है कि वह किसी भी सैन्य गुट का औपचारिक हिस्सा बने बिना अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखेगा। रूस के साथ भारत के संबंध वर्तमान वैश्विक संदर्भ में भारतीय विदेश नीति की संतुलनकारी क्षमता का सबसे बड़ा उदाहरण हैं, क्योंकि यूक्रेन युद्ध के बाद जब पश्चिमी देशों ने रूस को अलग-थलग करने का प्रयास किया, तब भारत ने संवाद और व्यावहारिक सहयोग का मार्ग चुना, ऊर्जा सुरक्षा के लिए रियायती दरों पर तेल आयात, रक्षा आपूर्ति की निरंतरता और बहुपक्षीय मंचों पर संतुलित रुख अपनाकर भारत ने यह सिद्ध किया कि उसकी नीति किसी दबाव में नहीं बल्कि राष्ट्रीय हित और वैश्विक स्थिरता के विचार से संचालित होती है। अमेरिका और रूस के बीच बढ़ते तनाव के बावजूद दोनों के साथ भारत के मजबूत संबंध यह दर्शाते हैं कि भारत अब केवल संतुलन साधने वाला नहीं बल्कि संतुलन बनाने वाला देश बन चुका है। चीन के संदर्भ में भारत की विदेश नीति और भी अधिक निर्णायक दिखाई देती है, क्योंकि सीमा विवाद, सैन्य गतिरोध और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के बावजूद भारत ने आर्थिक निर्भरता को नियंत्रित करने, घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और समान विचारधारा वाले देशों के साथ सहयोग बढ़ाने की नीति अपनाई है, जिससे चीन को यह स्पष्ट संदेश गया है कि भारत शक्ति संतुलन के किसी भी प्रयास में अपने हितों की अनदेखी नहीं करेगा। पाकिस्तान के साथ संबंधों में भारत ने बीते एक दशक में निर्णायक परिवर्तन किया है, जहाँ संवाद को आतंकवाद से जोड़ते हुए यह स्पष्ट कर दिया गया है कि जब तक सीमा पार आतंकवाद जारी रहेगा तब तक सामान्य संबंध संभव नहीं हैं, वर्तमान समय में पाकिस्तान की आर्थिक बदहाली, राजनीतिक अस्थिरता और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर घटती विश्वसनीयता के बीच भारत ने न तो आक्रामक बयानबाजी की है और न ही अनावश्यक हस्तक्षेप, बल्कि क्षेत्रीय शांति और विकास के अपने दृष्टिकोण को प्राथमिकता दी है, जिससे अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भारत की परिपक्व छवि और सुदृढ़ हुई है। व्यापारिक और आर्थिक मोर्चे पर भारत ने अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ निवेश, तकनीक और बाजार तक पहुँच को बढ़ाया है, रूस के साथ ऊर्जा और रक्षा सहयोग को बनाए रखा है और एशिया, अफ्रीका व लैटिन अमेरिका में विकास साझेदारी के माध्यम से अपनी आर्थिक कूटनीति का विस्तार किया है, जिससे भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में एक भरोसेमंद विकल्प के रूप में उभरा है। सांस्कृतिक और मानवीय स्तर पर योग, आयुर्वेद, भारतीय सिनेमा, शिक्षा और प्रवासी भारतीय समुदाय ने भारत की सॉफ्ट पावर को मजबूत किया है, वहीं संकट के समय मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियानों में भारत की सक्रियता ने उसे एक जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित किया है। बहुपक्षीय मंचों पर भारत ने रूस-पश्चिम तनाव, अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा और विकासशील देशों की चुनौतियों के बीच सेतु की भूमिका निभाने का प्रयास किया है, जी-20 की अध्यक्षता के दौरान ग्लोबल साउथ की चिंताओं को वैश्विक एजेंडे में स्थान देकर भारत ने यह दिखाया कि उसकी विदेश नीति केवल राष्ट्रीय नहीं बल्कि वैश्विक नैतिक जिम्मेदारी का भी वहन करती है। रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में स्वदेशी उत्पादन, निर्यात और समुद्री सुरक्षा में भारत की भूमिका ने उसे इंडो-पैसिफिक से हिंद महासागर क्षेत्र तक एक स्थिरता प्रदाता के रूप में प्रस्तुत किया है। इस प्रकार वर्तमान वैश्विक संदर्भ में रूस, अमेरिका, चीन और पाकिस्तान जैसे जटिल कारकों के बीच भारतीय विदेश नीति की आशातीत सफलता इस तथ्य में निहित है कि भारत ने न तो किसी का विरोध अपनी पहचान बनाया और न ही किसी का अंधानुकरण, बल्कि संतुलन, संवाद और दृढ़ता के साथ एक ऐसी स्वतंत्र राह चुनी है जो आने वाले समय में भारत को वैश्विक शक्ति संतुलन का अनिवार्य स्तंभ बनाने की क्षमता रखती है।

संजीव ठाकुर

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीन देशों की यात्रा और भारत की कूटनीतिक दिशा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चार दिन की विदेश यात्रा भारत की बदलती वैश्विक भूमिका और बहुआयामी कूटनीति को रेखांकित करती है। इस यात्रा के दौरान वे जॉर्डन एथियोपिया और ओमान की यात्रा करेंगे। पश्चिम एशिया और अफ्रीका के इन देशों के साथ भारत के रिश्ते केवल औपचारिक कूटनीति तक सीमित नहीं हैं बल्कि व्यापार ऊर्जा रक्षा सांस्कृतिक सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे अहम आयामों से जुड़े हुए हैं। यह यात्रा ऐसे समय हो रही है जब वैश्विक राजनीति अस्थिरता के दौर से गुजर रही है और भारत एक संतुलित तथा भरोसेमंद साझेदार के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा का उद्देश्य द्विपक्षीय साझेदारी को नई दिशा देना है। जॉर्डन के साथ राजनीतिक संवाद को मजबूत करना एथियोपिया के साथ विकास और अफ्रीकी सहयोग को विस्तार देना और ओमान के साथ ऐतिहासिक तथा रणनीतिक रिश्तों को नई ऊंचाई पर ले जाना इस दौरे के प्रमुख लक्ष्य हैं। 17 18 को प्रधानमंत्री ओमान सल्तनत का रुख करेंगे जहां ऊर्जा व्यापार और समुद्री सुरक्षा जैसे विषयों पर विशेष ध्यान रहेगा। जॉर्डन भारत के लिए पश्चिम एशिया में एक अहम और भरोसेमंद मित्र देश रहा है। प्रधानमंत्री मोदी जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय बिन अल हुसैन से द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। भारत और जॉर्डन के रिश्ते आपसी सम्मान और साझा हितों पर आधारित हैं। दोनों देश आतंकवाद के खिलाफ एक जैसी सोच रखते हैं और क्षेत्रीय शांति के पक्षधर हैं। राजनीतिक स्तर पर नियमित संवाद ने इन संबंधों को स्थायित्व दिया है। व्यापार के क्षेत्र में जॉर्डन के साथ भारत का रिश्ता धीरे धीरे मजबूत हुआ है। भारत जॉर्डन से मुख्य रूप से फॉस्फेट और पोटाश जैसे खनिज आयात करता है जो भारतीय कृषि और उर्वरक उद्योग के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इसके अलावा जॉर्डन से कुछ मात्रा में रसायन और खनिज आधारित उत्पाद भी भारत आते हैं। वहीं भारत जॉर्डन को दवाइयां कपड़ा इंजीनियरिंग सामान ऑटोमोबाइल पुर्जे और चावल जैसे कृषि उत्पाद निर्यात करता है। भारतीय दवा उद्योग की जॉर्डन में अच्छी पकड़ है और भारतीय कंपनियां वहां स्वास्थ्य क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। रक्षा और सुरक्षा सहयोग के लिहाज से भी भारत और जॉर्डन के बीच विश्वास का वातावरण है। दोनों देशों के बीच सैन्य प्रशिक्षण और आतंकवाद विरोधी रणनीतियों पर संवाद होता रहा है। पश्चिम एशिया में स्थिरता के लिए जॉर्डन की भूमिका को भारत महत्वपूर्ण मानता है और फिलिस्तीन मुद्दे पर भी दोनों देशों के बीच संतुलित दृष्टिकोण देखने को मिलता है। एथियोपिया की यात्रा इस दौरे का एक विशेष पहलू है। प्रधानमंत्री मोदी एथियोपिया का दौरा करेंगे और यह उल्लेखनीय है कि वे इस देश की यात्रा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री होंगे। अफ्रीका के हॉर्न क्षेत्र में स्थित एथियोपिया एक तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था है और अफ्रीकी संघ का मुख्यालय भी यहीं स्थित है। ऐसे में भारत के लिए एथियोपिया के साथ संबंध केवल द्विपक्षीय नहीं बल्कि पूरे अफ्रीका के संदर्भ में रणनीतिक महत्व रखते हैं। भारत और एथियोपिया के रिश्ते ऐतिहासिक रूप से मैत्रीपूर्ण रहे हैं। दोनों देशों के बीच उपनिवेशवाद विरोधी संघर्ष की साझा भावना रही है। व्यापारिक दृष्टि से भारत एथियोपिया से मुख्य रूप से दालें तिलहन और कुछ कृषि उत्पाद आयात करता है। इसके साथ ही चमड़ा और उससे जुड़े कच्चे माल का भी आयात होता है। एथियोपिया के कृषि संसाधन भारत की खाद्य सुरक्षा के लिए सहायक साबित होते हैं। भारत एथियोपिया को दवाइयां मशीनरी कपड़ा स्टील उत्पाद और परिवहन से जुड़े उपकरण निर्यात करता है। भारतीय कंपनियां एथियोपिया में दवा निर्माण कृषि प्रसंस्करण और अवसंरचना विकास में निवेश कर रही हैं। शिक्षा और क्षमता निर्माण के क्षेत्र में भी भारत की भूमिका महत्वपूर्ण है। भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग कार्यक्रम के तहत एथियोपिया के अनेक छात्र और अधिकारी भारत में प्रशिक्षण प्राप्त करते रहे हैं। रक्षा और क्षेत्रीय सुरक्षा के संदर्भ में एथियोपिया अफ्रीका में शांति अभियानों का एक प्रमुख स्तंभ है। संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में एथियोपियाई सैनिकों की भागीदारी उल्लेखनीय रही है। भारत इस अनुभव को साझा करने और अफ्रीका में स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए एथियोपिया के साथ सहयोग को आगे बढ़ाना चाहता है। प्रधानमंत्री की यह यात्रा अफ्रीका के साथ भारत के दीर्घकालिक दृष्टिकोण को और मजबूत करेगी। ओमान के साथ भारत के रिश्ते ऐतिहासिक और सभ्यतागत गहराई लिए हुए हैं। अरब सागर के रास्ते सदियों पुराने व्यापारिक संबंधों ने दोनों देशों को जोड़ा है। 17 18 को प्रधानमंत्री मोदी ओमान सल्तनत का रुख करेंगे जहां ऊर्जा व्यापार समुद्री सुरक्षा और निवेश जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। ओमान भारत के लिए खाड़ी क्षेत्र में एक अत्यंत महत्वपूर्ण साझेदार है। व्यापार के क्षेत्र में ओमान भारत को कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस का प्रमुख आपूर्तिकर्ता रहा है। ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से ओमान की भूमिका भारत के लिए अहम है। इसके अलावा ओमान से कुछ मात्रा में पेट्रोकेमिकल उत्पाद भी भारत आयात करता है। वहीं भारत ओमान को चावल मसाले दवाइयां कपड़ा इंजीनियरिंग सामान और उपभोक्ता वस्तुएं निर्यात करता है। ओमान में भारतीय प्रवासी समुदाय भी बड़ी संख्या में मौजूद है जो दोनों देशों के बीच एक जीवंत सेतु का काम करता है।] रक्षा सहयोग ओमान भारत संबंधों का एक मजबूत स्तंभ है। दोनों देशों के बीच समुद्री सुरक्षा और नौसैनिक सहयोग लंबे समय से चला आ रहा है। ओमान के बंदरगाहों का उपयोग भारतीय नौसेना के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है। हिंद महासागर क्षेत्र में स्थिरता और सुरक्षित समुद्री मार्ग सुनिश्चित करने के लिए भारत और ओमान का सहयोग बढ़ता जा रहा है। क्षेत्रीय सुरक्षा के संदर्भ में ओमान एक संतुलित और मध्यस्थ भूमिका निभाने वाला देश रहा है। भारत इस संतुलन को महत्व देता है और खाड़ी क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए ओमान के साथ निरंतर संवाद में रहता है। निवेश के क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच नए अवसर तलाशे जा रहे हैं खासकर ऊर्जा नवीकरणीय स्रोत और लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में। प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा भारत की बहुपक्षीय और संतुलित विदेश नीति का प्रतिबिंब है। जॉर्डन के साथ पश्चिम एशिया में राजनीतिक और सुरक्षा सहयोग एथियोपिया के साथ अफ्रीका में विकास और साझेदारी और ओमान के साथ खाड़ी क्षेत्र में ऊर्जा तथा समुद्री सुरक्षा भारत की प्राथमिकताओं को दर्शाते हैं। इन तीनों देशों के साथ भारत का रिश्ता केवल व्यापार तक सीमित नहीं है बल्कि यह साझा मूल्यों और दीर्घकालिक रणनीतिक हितों पर आधारित है। इस दौरे से भारत की वैश्विक छवि एक ऐसे देश के रूप में और मजबूत होगी जो संवाद सहयोग और आपसी लाभ की नीति पर चलता है। बदलते वैश्विक परिदृश्य में यह यात्रा भारत को पश्चिम एशिया और अफ्रीका में एक जिम्मेदार और प्रभावशाली साझेदार के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

कांतिलाल मांडोत

संपादकीय

एम्स का चमत्कार: सर्जरी से टाइप-2 डायबिटीज गायब

भारत आज जिस चुपचाप फैलती महामारी से जूझ रहा है, वह है मधुमेह। विशेषकर टाइप-दो मधुमेह, जो अब केवल जीवनशैली से जुड़ी बीमारी नहीं रह गई है, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य ढांचे पर गहरा असर डालने वाली चुनौती बन चुकी है। करोड़ों लोग रोज़ दवाइयों के सहारे जीवन जी रहे हैं, फिर भी शुगर नियंत्रण से बाहर है, अंग क्षति बढ़ रही है और इलाज आजीवन बोझ बनता जा रहा है। ऐसे समय में यदि कोई चिकित्सा पद्धति यह दावा करे कि वर्षों से दवाइयों पर निर्भर मधुमेह रोगी सर्जरी के अगले ही दिन सामान्य शुगर स्तर पर आ सकते हैं, तो यह खबर मात्र चिकित्सा नहीं, बल्कि नीति, समाज और सोच के स्तर पर बहस की मांग करती है। एम्स नई दिल्ली के सर्जरी विभाग में अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. मंजूनाथ मरुति पोल द्वारा अनियंत्रित टाइप-दो मधुमेह के मरीजों पर की जा रही मेटाबॉलिक सर्जरी इसी बहस का केंद्र है। पिछले अठारह महीनों में तीस से अधिक ऐसे मरीज, जिनकी शुगर कई दवाओं और इंसुलिन के बावजूद नियंत्रित नहीं हो रही थी, इस सर्जरी के बाद दवाओं से पूरी तरह मुक्त हो चुके हैं। यह दावा किसी चमत्कार का नहीं, बल्कि उस विज्ञान का है जिसे अब दुनिया भर में गंभीरता से लिया जा रहा है–कि मधुमेह केवल शुगर की बीमारी नहीं, बल्कि आंतों और हार्मोन से जुड़ा मेटाबॉलिक विकार है। इस सर्जरी में पेट के आकार को छोटा कर भोजन के मार्ग को बदला जाता है, जिससे वह आंत के उस हिस्से तक जल्दी पहुंचता है जहां से ऐसे हार्मोन निकलते हैं जो इंसुलिन की क्रिया को प्रभावी बनाते हैं। परिणाम यह होता है कि शुगर का नियंत्रण वजन घटने से पहले ही शुरू हो जाता है। यह तथ्य अपने आप में वर्षों से चली आ रही उस धारणा को चुनौती देता है कि मधुमेह नियंत्रण का एकमात्र रास्ता वजन कम करना और दवाइयां लेना है। यहां शरीर की जैविक प्रक्रिया को दोबारा संतुलित किया जाता है, न कि केवल लक्षणों को दबाया जाता है। लेकिन किसी भी नई चिकित्सा संभावना की तरह यह सर्जरी भी अंधी उम्मीद नहीं, बल्कि सावधानी और विवेक की मांग करती है। यह सभी मधुमेह

रोगियों के लिए नहीं है। टाइप-एक मधुमेह, जो एक ऑटोइम्यून रोग है, उसमें यह सर्जरी न केवल अनुपयोगी है, बल्कि खतरनाक भी हो सकती है। इसी तरह बहुत पुरानी मधुमेह, जहां अग्न्याशय की इंसुलिन बनाने की क्षमता लगभग समाप्त हो चुकी हो, वहां भी इसका लाभ सीमित है। इसका अर्थ यह है कि यह कोई जादुई समाधान नहीं, बल्कि सही समय पर सही मरीज के लिए एक वैज्ञानिक विकल्प है। इस सर्जरी की सबसे बड़ी सामाजिक चुनौती यह है कि भारत में सर्जरी को अब भी अंतिम और डरावने विकल्प के रूप में देखा जाता है। लोग वर्षों तक दवाइयां खाते रहते हैं, अंग क्षति सहते रहते हैं, लेकिन सर्जरी शब्द से ही घबरा जाते हैं। इसके पीछे जानकारी की कमी, आर्थिक भय और चिकित्सा व्यवस्था पर अविश्वास भी है। जबकि सच यह है कि लंबे समय तक चलने वाली मधुमेह की दवाइयां, बार-बार की जांच, अस्पताल में भर्ती और जटिलताओं का खर्च कहीं अधिक होता है। यदि सही चयन के साथ यह सर्जरी अंग क्षति को रोक सकती है और मरीज को दवाओं से मुक्त कर सकती है, तो इसे केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य के नजरिए से भी देखना होगा। यहां नीति निर्माताओं की भूमिका अहम हो जाती है। क्या भारत की स्वास्थ्य नीति मेटाबॉलिक सर्जरी को केवल मोटापे की सर्जरी मानती रहेगी, या इसे मधुमेह उपचार के एक विकल्प के रूप में स्वीकार करेगी? क्या सरकारी अस्पतालों में इसकी पहुंच बढ़ाई जाएगी, या यह केवल गिने-चुने शहरी केंद्रों तक सीमित रहेगी? क्या बीमा योजनाएं इसे जीवनरक्षक उपचार मानेंगी, या इसे विलासिता की श्रेणी में डालती रहेंगी? ये प्रश्न इसलिए जरूरी हैं क्योंकि मधुमेह केवल व्यक्ति की नहीं, पूरे समाज की उत्पादकता और अर्थव्यवस्था की बीमारी है। इस सर्जरी से जुड़ा एक और महत्वपूर्ण पक्ष है जिम्मेदारी। सर्जरी के बाद भी मरीज को जीवनशैली, पोषण और नियमित जांच के नियमों का पालन करना होता है। यह कोई ऐसा रास्ता नहीं जहां ऑपरेशन के बाद लापरवाही की छूट मिल जाए। अनुभवी चिकित्सक बार-बार यह स्पष्ट कर रहे हैं कि गलत चयन, अधूरी जानकारी और फॉलोअप की अनदेखी इस तकनीक को बदनाम कर सकती है। इसलिए यह आवश्यक है कि इसे प्रचार की नहीं, प्रमाण और प्रोटोकॉल की भाषा में आगे बढ़ाया जाए। भारत जैसे देश में, जहां मधुमेह अब ग्रामीण इलाकों तक फैल चुका है, वहां इस तरह की चिकित्सा प्रगति उम्मीद की किरण है, लेकिन साथ ही चेतावनी भी। उम्मीद इसलिए कि मधुमेह को स्थायी सजा मानने की सोच बदली जा सकती है। चेतावनी इसलिए कि हर नई तकनीक के साथ अतिउत्साह और व्यावसायीकरण का खतरा भी जुड़ा होता है। जरूरत संतुलन की है–न तो इसे चमत्कार घोषित करने की, न ही डर के कारण खारिज करने की। अंततः यह सवाल केवल सर्जरी का नहीं है, बल्कि हमारे स्वास्थ्य दृष्टिकोण का है। क्या हम बीमारी को केवल दवाओं से दबाने की संस्कृति में फंसे रहेंगे, या समय रहते जड़ पर प्रहार करने वाले विकल्पों पर भी गंभीरता से विचार करेंगे? एम्स में हो रहा यह कार्य संकेत देता है कि भविष्य का मधुमेह उपचार केवल गोली या इंजेक्शन नहीं, बल्कि शरीर की पूरी मेटाबॉलिक समझ पर आधारित होगा। इस संकेत को समझना, परखना और जिम्मेदारी से अपनाना ही हमारे विवेक की कसौटी है।

महेन्द्र तिवारी

सिडनी में आतंकी हमले में कहर उठी मानवता,आतंक के साये में सिडनी से पहलगाम तक एक ही पीड़ा

सिडनी में हुआ आतंकी हमला न केवल निंदनीय है, बल्कि यह उस वैश्विक सच्चाई की ओर भी इशारा करता है जिसमें आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। यह घटना किसी एक देश, धर्म या समुदाय तक सीमित नहीं है, बल्कि इसकी जड़ें उस विकृत सोच में हैं जो निर्दोष लोगों के खून से अपनी पहचान बनाना चाहती है। पहलगाम में घूमने आए निहत्थे पर्यटकों पर हमला हो या फिर सिडनी में यहूदी समुदाय के पवित्र हुंनक्का त्योहार के दौरान सामूहिक गोलीबारी।दोनों घटनाएं बताती हैं कि आतंक का कोई चेहरा नहीं होता, उसका कोई मजहब नहीं होता और उसकी कोई सीमा नहीं होती।सिडनी की घटना ने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया। त्योहार का माहौल, श्रद्धा और उल्लास से भरा जमावड़ा, सैकड़ों लोग एक-दूसरे को शुभकामनाएं दे रहे थे।और तभी गोलियों की तड़तड़ाहट ने खुशियों को मातम में बदल दिया। इस सामूहिक गोलीबारी में 11 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक और व्यक्ति ने बाद में दम तोड़ दिया। बारह निर्दोष जानें और बारह परिवारों की दुनिया उजड़ गई। यह आंकड़ा महज संख्या नहीं है, बल्कि उन सपनों, उम्मीदों और रिश्तों का अंत है जो अचानक छिन गए। गोलीबारी की सूचना मिलते ही ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कार्रवाई शुरू कर दी। सुरक्षा बलों की तेजी और पेशेवर रवैये ने यह सुनिश्चित किया कि स्थिति और अधिक भयावह न हो। इसी बीच एक आम नागरिक की असाधारण हिम्मत सामने आई, जिसने हमलावर से भिड़कर उसकी बंदूक छीन ली। यह साहसिक कदम बताता है कि आतंक के सामने भी इंसानी जज्बा हार नहीं मानता। उस नागरिक की हिम्मत की दाद देनी होगी, क्योंकि ऐसे क्षणों में एक व्यक्ति का साहस कई जिंदगियां बचा सकता है। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि हमले के पीछे के मकसद की जांच जारी है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हमला किस उद्देश्य से किया गया था, लेकिन जिस तरह यहूदी समुदाय को त्योहार के दौरान निशाना बनाया गया, उससे आशंका गहराती है कि यह नफरत से प्रेरित हिंसा हो सकती है। घटना के बाद पुलिस को बांडी क्षेत्र के कैपलेप परेड में एक संदिग्ध गाड़ी मिली, जिसमें हथियार होने के साथ-साथ विस्फोटक होने की भी आशंका जताई जा रही है। यह तथ्य दर्शाता है कि हमले की साजिश कितनी व्यापक और खतरनाक हो सकती थी। इस पूरी घटना में एक और चौंकाने वाला पहलू यह रहा कि गोलीबारी में बाप-बेटे की संलिप्तता सामने आई। एक ही परिवार के दो लोगों द्वारा इस तरह की हिंसा को अंजाम देना समाज के लिए गंभीर चेतावनी है। यह दिखाता है कि कट्टरता और नफरत की सोच किस तरह पीढ़ी दर पीढ़ी पनप सकती है, अगर समय रहते उसे रोका न जाए। पुलिस ने यहूदी समाज को निशाना बनाने वाले आरोपियों को दबोच लिया है, लेकिन सवाल यह है कि ऐसी सोच पनपती कहां से है और इसे खत्म कैसे किया जाए। आतंकवाद आज एक नासूर बन चुका है, जो लगातार मानवता के शरीर को खोखला कर रहा है।

यह केवल गोलियों और विस्फोटों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह डर, अविश्वास और नफरत का ऐसा माहौल बनाता है, जिसमें समाज की बुनियादें हिलने लगती हैं। पहलगाम की घटना में भी निहत्थे पर्यटकों को इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि वे आसान लक्ष्य थे। वहां भी मकसद डर फैलाना था, संदेश देना था कि कोई भी सुरक्षित नहीं है। सिडनी और पहलगाम–दोनों घटनाएं अलग-अलग महाद्वीपों पर हुई, लेकिन उनकी पीड़ा एक जैसी है। विश्व समुदाय के लिए यह स्पष्ट संकेत है कि आतंकवाद से निपटने के लिए आधे-अधूरे प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। यह समस्या किसी एक देश की नहीं है, इसलिए इसका समाधान भी सामूहिक होना चाहिए। खुफिया जानकारी का आदान-प्रदान, सीमा पार सहयोग, कट्टरपंथी विचारधाराओं के खिलाफ साझा रणनीति और आतंक को वित्तीय सहायता देने वाले नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई,ये सभी कदम अनिवार्य हैं। साथ ही, समाज के स्तर पर भी संवाद, शिक्षा और आपसी समझ को बढ़ावा देना होगा, ताकि नफरत की जमीन ही खत्म हो जाए। यह भी जरूरी है कि हम आतंकवाद को किसी धर्म या समुदाय से जोड़कर न देखें। ऐसा करना आतंकियों के मंसूबों को ही बल देता है। सिडनी में यहूदी समाज को निशाना बनाया गया, तो कल किसी और समुदाय को बनाया जा सकता है। आतंकवाद का लक्ष्य इंसानियत है, और उसकी सबसे बड़ी ताकत हमारी आपसी दरारें हैं। जब हम एक-दूसरे के दुख को अपना दुख समझते हैं, तब आतंक कमजोर पड़ता है। इस दुखद और पीड़ादायक घटना ने एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि सुरक्षा केवल हथियारों और कानून से नहीं आती, बल्कि सामाजिक एकजुटता से भी आती है। जिस नागरिक ने हमलावर से भिड़कर बंदूक छीनी, उसने यह साबित किया कि साहस और मानवता अभी जिंदा है। ऐसे उदाहरण हमें उम्मीद देते हैं कि अंधेरे के बीच भी रोशनी की किरण मौजूद है। हर हाल में आतंकवाद का मुकाबला करना होगा।यह कोई नारा नहीं, बल्कि समय की मांग है। इसके लिए सरकारों को कठोर निर्णय लेने होंगे, समाज को जागरूक होना होगा और मीडिया को जिम्मेदार भूमिका निभानी होगी। आतंक के हर कृत्य की निंदा के साथ-साथ हमें उन कारणों पर भी विचार करना होगा, जो युवाओं को इस रास्ते पर धकेलते हैं। बेरोजगारी, पहचान का संकट, झूठा प्रचार और कट्टर विचारधाराएं इन सबका इलाज जरूरी है। सिडनी की घटना में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देते हुए और उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए यह संकल्प लेना होगा कि हम आतंक के सामने झुकेंगे नहीं। दुनिया ने बहुत खून देख लिया है, अब वक्त है कि इंसानियत को बचाने के लिए एकजुट होकर खड़ा हुआ जाए। आतंकवाद चाहे जहां भी सिर उठाए, उसका जवाब मजबूती, समझदारी और मानवीय मूल्यों से दिया जाए।यही इस त्रासदी से निकलने का एकमात्र रास्ता है।

कांतिलाल मांडोत

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**–उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

बीबीएस ग्रुप ने विद्यार्थियों को तकनीकी क्षेत्र में आने के लिए किया आमंत्रित

चित्रकूट: धर्मनगरी के सीतापुर स्थित सेठ राधाकृष्णन पोद्दार इण्टर कॉलिज में सोमवार को गोष्ठी का आयोजन कर विद्यार्थियों को तकनीकी क्षेत्र में भविष्य बनाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही सरकार द्वारा संचालित छात्रवृत्ति योजनाओं की जानकारी दी गई। गोष्ठी में बीबीएस ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन प्रयागराज के काउंसलर एसपी पाल कथा संदीप सिंह ने विद्यार्थियों तकनीकी क्षेत्र में भविष्य बनाने तथा रोजगार परक शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उच्च शिक्षा में सरकार द्वारा दी जाने वाली शुल्क प्रतिपूर्ति एवं छात्रवृत्ति योजनाओं के बारे में भी जानकारी प्रदान की। विद्यार्थियों को 12वीं के बाद रोजगार परख कोर्स करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने तकनीकी क्षेत्र में प्रदान किए जाने वाले ग्रेजुएट कोर्स इंजीनियरिंग, फर्मेसी, मैनेजमेंट, लॉ, बीसीए, बीबीए, डी फार्मा, बी फार्मा आदि की जानकारी दी गई। साथ ही वर्ष 2002 में स्थापित संस्थान की अभी तक की उपलब्धियों की जानकारी दी। इस मौके पर प्रधानाचार्य राजीव पाठक सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं आदि मौजूद रहे।

आठवें वेतन आयोग से वंचित किए जाने के विरोध में पेंशनर्स एसोसिएशन ने दिया धरना

चित्रकूट: आठवें वेतन आयोग से वंचित किए जाने के विरोध में पेंशनर्स एसोसिएशन ने सोमवार को जिला मुख्यालय में एक दिवसीय धरना दिया।इस दौरान मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपा गया। धरने की अध्यक्षता करते हुए सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार द्विवेदी ने कहा कि सरकार द्वारा आठवें वेतन आयोग का लाभ न दिए जाने के विरोध में आज यह धरना दिया जा रहा है। सभी साथी एकजुट होकर इस लड़ाई को लड़ेंगे। सरकार द्वारा पेंशनर्स की उपेक्षा किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। राजकरण सिंह ने कहा कि सरकार पेंशनर्स के साथ अन्याय कर रही है। जिसका पुरजोर विरोध किया जाएगा। चैन प्रसाद ने कहा कि सरकार के इस निर्णय का विरोध करने के लिए सभी को एकजुट रहना होगा। छोटेलाल गुप्ता ने कहा कि एकता ही कर्मचारियों की शक्ति है। ऐसे में संगठन द्वारा बुलाए जाने पर सभी लोग कार्यक्रम में उपस्थित हो और संगठन को मजबूत करें। महामंत्री मोतीलाल सिंट पटेल ने कहा कि संगठन की सभी मांगे जायज है। कार्यवाहक अध्यक्ष जगबली सिंह ने कहा कि संगठन ने सरकार से तीन मांगे रखी हैं और यह सर्वथा उचित हैं। हनुमान प्रसाद शुक्ल व सूर्यकांत द्विवेदी ने कहा कि उन लोगों को उम्मीद है कि सरकार इन मांगों को पूरा करेगी। इस दौरान माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष राघवेन्द्र मिश्रा, श्यामलाल, प्रताप नारायण श्रीवास्तव, राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव ने भी विचार व्यक्त किए। धरने के बाद मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपा गया। इस मौके पर प्रदुम्न सिंह, राजनेत, मुनेश प्रसाद, अश्वनी कुमार, श्रीकृष्ण पाण्डेय, रामआसरे श्रीवास्तव, बाबूलाल श्रीवास, मान सिंह, सभापति पाण्डेय, अरविन्द सिंह, अमर सिंह, अवधेश सिंह, कामता प्रसाद पाण्डेय, त्रियुगी नारायण, अखिलेश कुमार पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम आफाक आयु लगभग 60 वर्ष पुत्र श्री मो0 जान निवासी -म0नं0-445/380, विश्वास नगर, ठाकुरगंज, जनपद-लखनऊ, उ0प्र0, का निवासी हूँ मेरा पुत्र मो0 जीशान पुत्र मो0 आफाक व पुत्रवधु श्रीमती फिजा पत्नी मो0 जीशान का व्यवहार शपथी व उसके परिवार के विरूद्ध काफी दयनीय है तथा उनका चाल-चलन भी ठीक नहीं है जिससे व उसका परिवार काफी परेशान रहता है। मैं अपने पुत्र मो0 जीशान व पुत्रवधु श्रीमती फिज़ा के गलत चाल-चलन व व्यवहार के कारण अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से हमेशा-हमेशा के लिए बेदखल कर रहा हूँ। इनके द्वारा की गयी गलत हरकतों, विधि विरूद्ध कार्य व किसी प्रकार के लेन-देन से मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा है उनके गलत चाल-चलन व व्यवहार अथवा विधि विरूद्ध कार्य के लिए वह खुद ही जिम्मेदार होंगे।

डीएम ने सीएमओ कार्यालय का किया निरीक्षण रजिस्टर में कमी मिलने पर नाराज़गी जताई, दो पटल प्रभारियो का रोका वेतन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. ने सोमवार को जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय, खैराबाद का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न कक्षों में जाकर अभिलेखों, उपस्थिति और कार्यप्रणाली का बारीकी से अवलोकन किया तथा लापरवाही पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने डाक डिस्पैच कक्ष, राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन कक्ष, नोडल अधिकारी कक्ष, जिला सर्विलांस कक्ष, लेखा अनुभाग, उप मुख्य चिकित्साधिकारी कक्ष, प्रशासनिक अधिकारी कक्ष और मेडिकल अनुभाग कक्ष का निरीक्षण किया डाक डिस्पैच कक्ष में पहुंचकर उन्होंने डिस्पैच रजिस्टर और डाक रजिस्टर का अवलोकन किया, जहां रजिस्टरों में कई त्रुटियां पाई गई इस पर जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को तत्काल सुधार कराने के निर्देश दिए वहीं लिपिक कमल हसन के अनुपस्थित पाए जाने पर जिलाधिकारी ने उसका एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन कक्ष के निरीक्षण के दौरान नोडल अधिकारी डॉ. विकास अनुपस्थित मिले इस पर जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को नोडल अधिकारी का एक दिन का वेतन काटने और स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने संबंधित जे.ई. को निर्देशित किया कि वे सप्ताह में कम से कम एक दिन मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में अनिवार्य रूप से बैठें मेडिकल अनुभाग कक्ष में रजिस्टरों का अवलोकन करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जो चिकित्सक मुख्यालय छोड़कर बाहर निवास कर रहे हैं उन्हें मुख्यालय पर ही निवास करने के लिए कार्यालय आदेश जारी किया जाए आदेश का पालन न करने वाले चिकित्सकों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई की चेतावनी दी गई। जिलाधिकारी ने आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की स्थिति की भी जानकारी ली लेखा अनुभाग के निरीक्षण के दौरान भुगतान संबंधी रजिस्टर, अन्य अभिलेख और वर्तमान बजट की जानकारी ली गई कैशबुक रजिस्टर में त्रुटि पाए जाने पर जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को स्वयं रजिस्टरों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए साथ ही लेखाकार मनीष कुमार को चेतावनी पत्र जारी करने के आदेश दिए गए निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेश कुमार सहित संबंधित अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे!!

स्नैचिंग वारदात के 36 घंटे बाद भी पुलिस के खाली हाथ बदमाश का नहीं लगा सुराग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। सरेराह महिला के कुंडल नोचने की सनसनीखेज वारदात के 36 घंटे बीत जाने के बावजूद पुलिस बदमाशों तक नहीं पहुंच सकी है और न ही अब तक उनका कोई सुराग लगा है घटना के बाद से पीड़ित परिवार में दहशत और लोगों में आक्रोश बना हुआ है। जानकारी के अनुसार, लखीमपुर जनपद के मझिगवां गांव निवासी कौशल किशोर शनिवार की शाम अपनी पत्नी सुनीता देवी और बच्चों के साथ बाइक से घर जा रहे थे। जब वे महोली-बड़ागांव रोड पर बंजरिया भट्ठे के पास पहुंचे, तभी पीछे से एक बाइक पर सवार बदमाश ने चलती बाइक के पास आकर सुनीता देवी के कानों से कुंडल नोच लिए और फरार हो गया अचानक हुई इस घटना से बाइक असंतुलित हो गई जिससे परिवार के लोग बाल-बाल बच गए।

कुंडल नोचने के दौरान महिला का कान फट गया और वह दर्द से चीख पड़ी आसपास मौजूद लोगों की मदद से घायल महिला को तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका उपचार कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार महिला के कान में गंभीर चोट आई है हालांकि अब उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही इमलिया सुल्तानपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगालने और संदिग्धों से पूछताछ करने की बात कही थी बावजूद इसके, 36 घंटे बीत जाने के बाद भी बदमाशों का कोई सुराग नहीं लग सका है। स्थानीय लोगों का कहना है कि महोली-बड़ागांव रोड पर इस तरह की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं लेकिन पुलिस गश्त न होने के कारण बदमाशों के हौसले बुलंद हैं घटना के बाद से क्षेत्र की महिलाओं में भय का माहौल है। इस संबंध में पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है संभावित मार्गों पर चेकिंग बढ़ा दी गई है और जल्द ही बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा वहीं, पीड़ित परिवार ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है!!

मोहनलालगंज ब्लाक में ग्राम पंचायत सचिवों का शांतिपूर्ण सत्याग्रह जारी, 28 डीएससी/डोंगल सामूहिक रूप से किए जमा

● ......ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली व अतिरिक्त विभागीय कार्यों के विरोध में सचिवों का आंदोलन तेज, मांगें पूरी न होने पर जताया रोष।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज/लखनऊ राजधानी लखनऊ के विकासखण्ड मोहनलालगंज में प्रांतीय कार्यकारिणी के आवाहन पर ग्राम पंचायत सचिवों द्वारा ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली लागू किए जाने तथा मूल विभागीय कार्यों के अतिरिक्त अन्य विभागों के कार्य कराए जाने के विरोध में सांकेतिक एवं शांतिपूर्ण सत्याग्रह आंदोलन लगातार जारी है। इस संबंध में पूर्व में दिनांक 05 दिसंबर 2025 को ज्ञापन प्रेषित कर आंदोलन के बिंदु संख्या 01 से 05 तक के परिपालन की मांग की गई थी, लेकिन 15 दिसंबर 2025 तक किसी भी मांग पर शासन-प्रशासन द्वारा कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया, जिससे ग्राम पंचायत सचिवों में भारी असंतोष व्याप्त है। मांगें पूरी न होने से आक्रोशित सभी ग्राम पंचायत सचिवों ने आज सामूहिक रूप से अपना-अपना डीएससी/डोंगल संबंधित कार्यालय में प्रस्तुत करते हुए कुल 28 अदद डोंगल जमा कर दिए। सचिवों ने स्पष्ट रूप से कहा कि यह कदम पूरी तरह शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से उठाया गया है और जब तक उनकी न्यायोचित मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं की जाती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। सचिवों ने संबंधित अधिकारी से विनम्र निवेदन किया कि पूर्व से सूचित इस शांतिपूर्ण आंदोलन के दृष्टिगत आंदोलन अवधि तक डोंगल अपने पास सुरक्षित रखते हुए संपूर्ण प्रकरण से उच्चाधिकारियों को अवगत कराकर न्यायोचित कार्रवाई हेतु पत्र प्रेषित किया जाए, जिससे ग्राम पंचायत सचिवों की समस्याओं का शीघ्र समाधान निकल सके।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन ने गोंडा सदर विधायक के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

● ग्रामीण अंचल के पत्रकार ही अखबारों के रीड,, प्रतीक भूषण सिंह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोंडा: ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के पदाधि कारिओ ने ग्रामीण पत्रकारों की समस्याओं के समाधान के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन भेजा है।यह ज्ञापन विधानसभा क्षेत्र

गोंडा सदर के विधायक प्रतीक भूषण सिंह ,के मा ध्यम से सौंपा गया हैं।प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र नाथ सिंह के निर्देश और जिलाध्यक्ष प्रदीप तिवारी के मार्गदर्शन में सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया है कि ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश राज्य का सबसे बड़ा पत्रकार संगठन है।यह सं गठन प्रदेश के 18 मंडलों 75 जनपदों और 551 तहसीलों में सक्रिय है।इसके बावजूद, ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत पत्रकारों को आज भी सरकारी सुविधाओं और सुरक्षा से वंचित रहना पड़ रहा है।एसोसिएशन ने मांग की है कि तह सील स्तर पर मान्यता प्रदान करने की स्पष्ट व्यवस्था की जाए और सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी पुराने आदेशों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए,इसके साथ ही पत्रकारों की सुरक्षा के लिए जिला व तहसील स्तर पर स्थायी समिति का गठन कर नियमित बैठकें कराई जाएं।ज्ञापन में ग्रामीण पत्रकारों को आ युष्मान कार्ड के माध्यम से स्वास्थ्य सुविधा, उ त्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों में निःशुल्क यात्रा सुविधा और प्रदेश स्तरीय मान्यता एवं वि ज्ञापन मान्यता समितियों में संगठन के प्रतिनि धियों को सदस्य बनाए जाने की भी मांग की ग ई है।

इसके अतिरिक्त,राजधानी लखनऊ में ग्रा मीण पत्रकार एसोसिएशन के लिए कार्यालय हेतु निःशुल्क भवन उपलब्ध कराने,ग्रामीण पत्र कार आयोग के गठन तथा पत्रकारों से जुड़े मा मलों में प्राथमिक रिपोर्ट दर्ज करने से पहले स क्षम अधिकारी द्वारा जांच कराए जाने की भी प्रमुख मांगें रखी गई हैं।महामंत्री अशोक पाठक ने कहा कि ग्रामीण पत्रकार सीमित संसाधनों में कार्य करते हुए लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को मज बूत कर रहे हैं।यदि उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए,तो पत्रकारिता और अधि क सशक्त होगी।ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन ने शासन से इन मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक वि चार करते हुए शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करने की अपील की है। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष अनिल कुमार दुबे, मंडल महामंत्री, कप्तान सिंह, जिलाध्यक्ष प्रदीप तिवारी, महामंत्री अशोक पाठक, जिला उपाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव, कार्यकारिणी सद स्य विपिन तिवारी, मण्डल संगठन मंत्री अर्जुन प्रसाद मिश्रा, दिलीप तिवारी, ओमकार पाण्डेय, सुनील कुमार शुक्ला, श्री प्रकाश शुक्ला, दीपक कौशल,एचपी श्रीवास्तव सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

मलिहाबाद में कांग्रेस के लिए दिन-रात जुटे परवेज़ रमज़ी ख़ान

मलिहाबाद। भक्तियान नगर के पूर्व प्रधान एवं पूर्व बीडीसी, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के पोते परवेज़ रमज़ी ख़ान इन दिनों कांग्रेस पार्टी के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ सक्रिय हैं। क्षेत्र में पार्टी संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से वे दिन-रात जनसंपर्क, बैठकों और कार्यक्रमों में जुटे हुए हैं। परवेज़ रमज़ी ख़ान का कहना है कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार की विरासत उन्हें जनता की सेवा और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए निरंतर कार्य करने की प्रेरणा देती है। इसी भावना के तहत वे कांग्रेस की नीतियों और विचारधारा को गांव-गांव तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं। स्थानीय कार्यकर्ताओं के अनुसार, परवेज़ रमज़ी ख़ान की सक्रियता से पार्टी कार्यकर्ताओं में नया उत्साह देखने को मिल रहा है और मलिहाबाद क्षेत्र में कांग्रेस संगठन को मजबूती मिल रही है।

उत्तर प्रदेश के आवाहन पर जिला मुख्यालय पर धरना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में प्रदेश व्यापी संघर्ष के अंतर्गत सेवानिवृत्ति कर्मचारी एवं शिक्षक समन्वय समिति, उत्तर प्रदेश तथा सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश के आवाहन पर जिला मुख्यालयों पर धरना। आठवें वेतन आयोग में पेंशन पुनरीक्षण आदि मांगों को लेकर राजधानी लखनऊ में स्व. बी.एन. सिंह की प्रतिमा (निकट के.डी. सिंह बाबू स्टेडियम मेट्रो स्टेशन) पर प्रदेश अध्यक्ष श्री अमरनाथ यादव के नेतृत्व में धरना। धरना के समापन अवसर पर स्वयं 4:00 बजे एसीपी के माध्यम से भारत के प्रधानमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया गया। डा. आर.पी. मिश्र-प्रादेशिक उपाध्यक्ष/प्रवक्ता एवं संरक्षक, लखनऊ, प्रदेशीय मंत्री, अनिल शर्मा-जिलाध्यक्ष, महेश चंद्र-जिलामंत्री, आर.पी. सिंह- कोषाध्यक्ष आलोक पाठक-आय-व्यय निरीक्षक, डा. मीता श्रीवास्तव-सदस्य राज्य कार्यकारिणी उपस्थित रहे।

नाराज़ किशोरी घर से निकली सकुशल बरामद पुलिस ने परिजनों से मिलाया

● महिला स्क्वॉड को गस्त के दौरान मिली किशोरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में उत्तर प्रदेश पुलिस का एक सराहनीय और संवेदनशील चेहरा उस समय सामने आया, जब गश्त और चेकिंग के दौरान रेलवे स्टेशन के बाहर एक लापता किशोरी को सकुशल बरामद कर उसे उसके माता-पिता के सुपुर्द किया गया महिला उपनिरीक्षक स्वाति चतुर्वेदी और टीम की तत्परता और मानवीय व्यवहार से एक परिवार को बड़ी राहत मिली। जानकारी के अनुसार, किशोरी तनु गोस्वामी पुत्री संजीव कुमार, निवासी अनूपशहर, जनपद बुलंदशहर (वर्तमान पता गली नंबर-1, सूर्य विहार पार्ट-3, फरीदाबाद, हरियाणा), उम्र लगभग 15 वर्ष, घर से नाराज़ होकर निकल आई थी किशोरी सोमवार रात करीब 12 बजे रेलवे जंक्शन सीतापुर के बाहर चेकिंग के दौरान उपनिरीक्षक स्वाती चतुर्वेदी अपने हमराह कांस्टेबल कुलदीप कुमार और कांस्टेबल ओम प्रकाश के साथ गश्त कर रही थीं।

इसी दौरान रेलवे स्टेशन के पास एक किशोरी अकेली और परेशान हालत में खड़ी दिखाई दी पुलिस टीम ने उससे बातचीत की, लेकिन शुरुआत में वह कुछ भी बताने से हिचक रही थी महिला उपनिरीक्षक ने धैर्य और स्नेहपूर्वक समझाया, जिसके बाद किशोरी ने बताया कि वह घर से नाराज़ होकर चली आई है। पूछताछ के दौरान उसने अपने बड़े मामा का नाम, पता और फोन नंबर उपलब्ध कराया पुलिस द्वारा तत्काल दूरभाष के माध्यम से मामा से संपर्क किया गया और फिर किशोरी के पिता संजीव कुमार से भी बातचीत की गई। इसके बाद सुरक्षा और संरक्षण को ध्यान में रखते हुए नाबालिग किशोरी को वन स्टॉप सेंटर में दाखिल कराया गया जहां उसकी देखरेख की गई सोमवार को किशोरी के पिता सीतापुर कोतवाली पहुंचे। सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद पुलिस ने किशोरी को सकुशल उसके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया अपनी बेटी को सुरक्षित पाकर परिजनों ने पुलिस का आभार जताया। इस पूरे प्रकरण में महिला उपनिरीक्षक स्वाती चतुर्वेदी और उनकी टीम की संवेदनशीलता, सतर्कता और मानवीय दृष्टिकोण की स्थानीय लोगों ने सराहना की है!!

मिशन शक्ति टीम की अगुवाई कर रहीं उपनिरीक्षक आकांक्षा तिवारी का स्थानांतरण, क्षेत्र में बनी विशेष पहचान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर/महराजगंज तराई थाना महाराजगंज तराई में मिशन शक्ति अभियान की सफलतापूर्वक अगुवाई कर रहीं उपनिरीक्षक आकांक्षा तिवारी का स्थानांतरण कर दिया गया है। उनके स्थानांतरण को देखते हुए पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विकास कुमार द्वारा उन्हें थाना कोतवाली नगर अंतर्गत पीपल तिराहा पुलिस चौकी का प्रभारी नियुक्त किया गया है। 2023 बैच की उपनिरीक्षक आकांक्षा तिवारी इससे पूर्व थाना हरैया तथा थाना महाराजगंज तराई में अपनी सेवाएं दे चुकी हैं और हाल ही में उन्होंने नए दायित्व का कार्यभार ग्रहण किया है। थाना महाराजगंज तराई में तैनाती के दौरान उपनिरीक्षक आकांक्षा तिवारी ने अपने सरल, सौम्य और अनुशासित व्यवहार से न केवल पुलिस विभाग बल्कि आम जनता के बीच भी एक अलग पहचान बनाई। कानून के प्रति सदैव सजग रहते हुए उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से किया। मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत उन्होंने महिलाओं, बालिकाओं एवं बच्चों को जागरूक और सशक्त बनाने के लिए व्यापक कार्यक्रम आयोजित किए, जिससे क्षेत्र में महिला सुरक्षा और सम्मान को लेकर सकारात्मक माहौल बना।

उपनिरीक्षक आकांक्षा तिवारी ने विद्यालयों, ग्राम सभाओं और सार्वजनिक स्थलों पर जाकर महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा से जुड़े कानूनों तथा विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने सरकारी कार्यों और अभियानों को समयबद्ध रूप से पूरा कर प्रशासनिक दक्षता का भी परिचय दिया, जिससे विभाग की छवि सशक्त हुई और क्षेत्र में कानून व्यवस्था को मजबूती मिली।

उनकी कार्यशैली और जनसरोकारों के कारण थाना महाराजगंज तराई क्षेत्र की महिलाओं, बच्चों और आम नागरिकों के बीच उन्हें विशेष सम्मान प्राप्त था। मिशन शक्ति के माध्यम से उन्होंने महिला सशक्तिकरण की जो मजबूत नींव रखी, उसने समाज में सकारात्मक बदलाव की मिसाल पेश की। ऐसे में उनके स्थानांतरण की खबर से क्षेत्र की महिलाओं और बच्चों में मायूसी का माहौल देखने को मिल रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि उपनिरीक्षक आकांक्षा तिवारी ने निडर, संवेदनशील और जिम्मेदार पुलिस अधिकारी के रूप में अपनी पहचान बनाई है, जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा। अब उनके नए दायित्व स्थल पीपल तिराहा पुलिस चौकी पर भी उनसे इसी प्रकार प्रभावी और जनहितकारी कार्य की अपेक्षा की जा रही है।

महिलाओं-बच्चों के पोषण सुधार को प्रोजेक्ट संवर्धन का शुभारंभ 17 दिसंबर से

300 पंचायत भवनों में एक साथ होंगे VHSND सत्र, हर बच्चे तक पहुंचे इस बार अभियान

बलरामपुर। जनपद में महिलाओं एवं बच्चों के पोषण स्तर को बेहतर बनाने तथा कुपोषण पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा 'प्रोजेक्ट संवर्धन' विशेष अभियान का शुभारंभ 17 दिसंबर 2025 से किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत जनपद के 300 पंचायत भवनों में एक साथ वीएचएसएनडी (Village Health, Sanitation and Nutrition Day) सत्रों का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में आयोजित प्रेस वार्ता में जिलाधिकारी श्री विपिन कुमार जैन ने बताया कि अभियान का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में गुणात्मक सुधार लाना है। VHSND सत्रों के दौरान सभी पात्र लाभार्थियों का नियमित एवं पूर्ण टीकाकरण, बच्चों का वजन-लंबाई मापन, पोषण स्तर का आकलन तथा आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएंगी। डीएम ने बताया कि सत्रों में गंभीर कुपोषित (SAM) एवं मध्यम कुपोषित (MAM) बच्चों की पहचान कर उन्हें शासन की पोषण एवं उपचार योजनाओं से आच्छादित किया जाएगा। चिन्हित बच्चों को पोषण परामर्श, चिकित्सकीय देखरेख एवं आवश्यकतानुसार रेफरल सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि कुपोषण से मुक्ति दिलाई जा सके। अभियान के प्रभावी संचालन हेतु स्वास्थ्य विभाग एवं आईसीडीएस द्वारा आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सेंसिटाइजेशन किया जा चुका है। सभी सत्रों में वजन मशीन, इन्फेंटोमीटर सहित आवश्यक माप उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। इसके अतिरिक्त, जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधानों से सहयोग की अपील करते हुए पंचायतों में आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु पत्र प्रेषित किया है।

मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता ने बताया कि सभी 300 सत्रों की निगरानी 300 नामित अधिकारियों द्वारा की जाएगी, जो पर्यवेक्षण के साथ-साथ सेवाओं की गुणवत्ता भी सुनिश्चित करेंगे। सत्र पंचायत भवनों पर आयोजित होंगे, जहां टीकाकरण, आवश्यक दवाएं, कोल्ड चेन एवं मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। VHSND सत्रों में आशा, एएनएम एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित की गई है, जबकि ग्राम प्रधानों की सक्रिय सहभागिता से समुदाय की भागीदारी को मजबूत किया जाएगा। सत्रों में बच्चों, गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं एवं किशोरियों की पहचान कर स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण, पोषण परामर्श,

SAM/MAM स्क्रीनिंग एवं आवश्यकतानुसार रेफरल किया जाएगा। साथ ही पोषण एवं स्वच्छता पर व्यवहार परिवर्तन हेतु व्यावहारिक प्रदर्शन, परिवार नियोजन परामर्श तथा गर्भवती महिलाओं के लिए गोपनीय एएनसी सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। उच्च जोखिम वाले मामलों में 48 घंटे के भीतर फॉलो-अप सुनिश्चित किया जाएगा।

जिला प्रशासन ने आमजन, विशेषकर गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने नजदीकी पंचायत भवन में आयोजित VHSND सत्रों में उपस्थित होकर इस अभियान का लाभ उठाएं और जनपद को कुपोषण मुक्त बनाने में सहयोग करें। प्रेस वार्ता के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकेश रस्तोगी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी, समस्त सीडीपीओ सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

जहरीला पदार्थ खाने से युवक की मौत

हमीरपुर- कुरारा थाना क्षेत्र के भौली गांव निवासी युवक ने अज्ञात कारण के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। अस्पताल प्रशासन ने थाने में सूचना दी। भौली गांव निवासी प्रियांशु (22 वर्ष) पुत्र जनार्दन सिंह ने रविवार की दोपहर अज्ञात कारण के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया। जानकारी होने पर परिजन उसे जिला अस्पताल गए, वहां इलाज दौरान उसकी मौत हो गई। जिला अस्पताल प्रशासन द्वारा थाना कोतवाली हमीरपुर में दी गई है।कोतवाती प्रभारी ने बताया शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

रामकथा समापन पर हुआ विशाल भण्डारा

हमीरपुर- सुमेरपुर कस्बा के गायत्री तपोभूमि में चल रही राम कथा के समापन पर सोमवार को हुए विशाल भंडारे में कस्बा वासियों की भारी भीड़ उमड़ी। प्रसाद पाने के लिए लोगों की लंबी लाइन लगी हुई थी। सोमवार को राम कथा के संपन्न होने पर तपोभूमि के विरक्त आश्रम में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में प्रसाद ग्रहण करने के लिए दोपहर बाद कस्बावासियों की अपार भीड़ उमड़ पड़ी। इससे आयोजक परेशान नजर आए। थानाध्यक्ष अनूप सिंह ने विरक्त आश्रम पहुंचकर लोगों को व्यवस्थित खड़ा कराकर आयोजकों से प्रसाद ग्रहण के निर्देश दिए। खबर भेजे जाने तक आश्रम में प्रसाद पाने के लिए लंबी लाइन लगी हुई थी। भंडारे के आयोजक बिंदा प्रसाद साहू, अजय द्विवेदी, राधारमण द्विवेदी,गंगा सोनी, भूरी परिहार, उषा द्विवेदी, कृष्णा शुक्ला आदि ने बताया कि सभी भक्तों को पूरी श्रद्धा से प्रसाद परोसा।

खादी महोत्सव 2025 का भव्य आग़ाज़

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, आजमगढ़ के तत्वावधान में महोत्सव 2025 का आयोजन 15 दिसम्बर से 24 दिसम्बर 2025 तक DAV इंटर कॉलेज, आजमगढ़ में किया जा रहा है। महोत्सव का उद्घाटन 15 दिसम्बर (सोमवार) सायं 03 बजे माननीय श्री विजय बहादुर पाठक, सदस्य विधान परिषद, उत्तर प्रदेश के मुख्य आतिथ्य में संपन्न होगा। कार्यक्रम में श्री राकेश सचान, माननीय मंत्री, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग विभाग, उत्तर प्रदेश की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। महोत्सव का उद्देश्य 'Vocal for Local' को बढ़ावा देना तथा उत्कृष्ट खादी एवं ग्रामोद्योगी उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री के माध्यम से स्वदेशी को प्रोत्साहित करना है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री रविन्द्र कुमार, I.A.S., जिलाधिकारी आजमगढ़ उपस्थित रहेंगे। साथ ही श्री परीक्षित खटाना, I.A.S., मुख्य विकास अधिकारी, आजमगढ़, श्री शिशिर, I.A.S., मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, लखनऊ की गरिमामयी उपस्थिति भी रहेगी। प्रदर्शनी समिति में श्री महेन्द्र यादव, सहायक वित्तीय नियंत्रक उद्योग, मुख्यालय लखनऊ, सुश्री संस्कृति गुप्ता, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी, बलिया तथा श्री दीपक मिश्रा, परिक्षेत्रीय/जिला ग्रामोद्योग अधिकारी, आजमगढ़ (अध्यक्ष, प्रदर्शनी समिति) शामिल हैं। महोत्सव के दौरान खादी अपनाने और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने का संदेश दिया जाएगा। आयोजन में आमजन के लिए प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

आयोजकः उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, आजमगढ़

संदेशः खादी अपनाएँ, स्वदेशी बढ़ाएँ

प्रेरणाः माननीय श्री नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री भारत सरकार एवं माननीय योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश

ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में कुरारा में सचिवों का प्रदर्शन, डीएससी डोंगल सौंप कर किया कार्य बहिष्कार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर- कुरारा विकासखंड परिसर में सोमवार को ग्राम पंचायत अधिकारियों एवं ग्राम विकास अधिकारियों ने ऑनलाइन हाजिरी प्रणाली के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। ग्राम पंचायत अधिकारी संघ एवं ग्राम विकास अधिकारी एसोसिएशन की समन्वय समिति की प्रांतीय कार्यकारिणी के आह्वान पर आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में सभी सचिवों ने एकजुट होकर भाग लिया और नारेबाजी की।

प्रदर्शन के दौरान सचिवों ने ऑनलाइन हाजिरी को अव्यवहारिक बताते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क की समस्या, तकनीकी खामियां और अतिरिक्त कार्यभार के चलते यह व्यवस्था व्यवहारिक नहीं है। इससे पंचायत स्तर पर विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न हो रही है। सचिवों ने मांग की कि पहले तकनीकी सुविधाओं को दुरुस्त किया जाए, उसके बाद ही इस तरह की व्यवस्था लागू की जाए।

विरोध प्रदर्शन के उपरांत सभी सचिवों ने अपनी डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट (डीएससी) डोंगल एडीओ पंचायत कार्यालय पहुंचकर सौंप दी और कार्य का बहिष्कार किया। इस दौरान सचिवों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांगों पर विचार कर उचित निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। इस अवसर पर सचिव आशीष कुमार, बलजीत, महेश, नीरज सचान, ब्रजेश शुक्ला, नसीम अहमद, जमाल अहमद, शिखा, निशा, आशीष, महेश साहू, ओम प्रकाश प्रजापति सहित बड़ी संख्या में ग्राम पंचायत अधिकारी एवं ग्राम विकास अधिकारी मौजूद रहे। प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा, लेकिन सचिवों की एकजुटता और नाराजगी साफ तौर पर देखने को मिली।

नाले में मिला प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड का शव, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुरः- मौदहा कोतवाली क्षेत्र में सोमवार सुबह सड़क किनारे एक नाले में एक युवक का शव पड़ा मिला।शव मिलने की सूचना मिलते ही घटना स्थल में लोगों की भीड़ जमा हो गई।ग्रामीणों ने मृतक की पहचान कम्हरिया गांव निवासी 28 वर्षीयवहीद उद्दीन उर्फ उल्ली के रूप में की। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

सूचना पर मौदहा कोतवाली पुलिस ,फील्ड यूनिट और डॉग स्क्वॉड ने मौके पर पहुंचकर नाले से शव को बाहर निकलाया और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के भाई सईद उद्दीन ने अपने भाई की हत्या किए जाने की आशंका जताई है। उनका कहना है कि वहीद शराब का आदी जरूर था और नशे में अक्सर लोगों से विवाद करता था, लेकिन वह आत्महत्या जैसा कदम उठाने वाला व्यक्ति नहीं था।

परिजनों के अनुसार, शव की स्थिति संदिग्ध है। वहीद का आधा शरीर नाले के पानी से बाहर था, जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि उसकी मौत डूबने से नहीं हुई है। इसी आधार पर परिजन हत्या की आशंका जता रहे हैं और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। बताया गया है कि वहीद उद्दीन छत्तीसगढ़ के रायपुर में सिक्योरिटी गार्ड के रूप में कार्यरत था। वह अपनी 53 वर्षीय मां वकीला की मौत के बाद दो दिन पहले ही गांव आया था। मां के निधन से परिवार पहले ही गहरे सदमे में था और अब युवक की संदिग्ध मौत से दुख और बढ़ गया है। वहीद के परिवार में एक विवाहित बहन और पांच भाई हैं।

राष्ट्र निर्माण की फैक्ट्री है विद्यार्थी परिषद- डॉ आलोक

चित्रकूटः जिला मुख्यालय स्थित चित्रकूट इण्टर कॉलिज में सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) द्वारा विद्यार्थियों की शैक्षणिक एवं तकनीकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें इस हाईस्कूल व इंटरमीडिएट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माता सरस्वती की पूजा-अर्चना कर किया गया। जिसमें डॉ आलोक पांडेय ने कहा कि तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ संस्कार और राष्ट्रभाव का विकास आवश्यक है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद राष्ट्र निर्माण की फक्ट्री है। वक्ता शिवम पांडेय ने कहा कि विद्यार्थी ही समाज के वास्तविक परिवर्तनकर्ता हैं और उनकी प्रतिभा को मंच देना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन आनंद जायसवाल ने किया। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ रणवीर चौहान, फूलचंद्र चंद्रवंशी, जिला संगठन मंत्री संकल्प कुशवाहा, इकाई अध्यक्ष रवि तोमर, कमल शुक्ला, अंशु यादव, शानू त्रिपाठी, आदित्य तोमर, आयुष गुप्ता, असद हसन हसन, रंजीत आदि मौजूद रहे।

मतदाता सूची में गड़बड़ियों पर सपा जिलाध्यक्ष का सवाल, संशोधित सूची उपलब्ध कराने की मांग

बस्ती। बस्ती जिले के समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी को पत्र भेजकर अनुपस्थित, शिफ्टेड, डुप्लीकेट एवं मृतक मतदाताओं की सूचियों में बड़ी कमियों की ओर ध्यान दिलाया है। उन्होंने मांग की है कि सूचियों में संबंधित मतदाताओं के पिता/पति का नाम और मकान नंबर अनिवार्य रूप से दर्ज कराकर संशोधित सूची उपलब्ध कराई जाए। विधायक यादव ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि जनपद के सभी विधानसभा क्षेत्रों से लगातार शिकायतें मिल रही हैं कि बीएलओ द्वारा पार्टी के बीएलए को उपलब्ध कराई जा रही विशेष श्रेणी की मतदाता सूची में आवश्यक विवरण नहीं जोड़ा गया है। इससे इतने कम समय में स्थल सत्यापन और जांच कर पाना अत्यंत कठिन हो रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि स्थिति इसी प्रकार रही, तो ऐसे मतदाताओं के नाम 16 दिसंबर 2025 को प्रकाशित होने वाली ड्राफ्ट मतदाता सूची में डिलीट रह जाएंगे। सपा जिलाध्यक्ष ने जिला निर्वाचन अधिकारी से तत्काल संज्ञान लेते हुए सभी बूथों पर उपलब्ध सूचियों में आवश्यक विवरण जोड़कर संशोधित सूची उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि एसआईआर प्रक्रिया पारदर्शी, सुचारु और समयबद्ध तरीके से पूर्ण हो सके।

नहर किनारे मिला विधवा का शव, गला घोंटकर हत्या की आशंका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर- जनपद कोतवाती क्षेत्र के वरदहा गांव में सोमवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब नहर के पास एक विधवा महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला। मृतका के गले पर स्पष्ट निशान पाए गए हैं, जिससे गला घोंटकर हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए। मृतका की पहचान फूलन देवी निषाद के रूप में हुई है। उनकी शादी लगभग 16 वर्ष पूर्व वरदहा गांव में हुई थी। दो वर्ष पहले उनके पति का निधन हो चुका था, जिसके बाद से वह अपने दो पुत्रों की परवरिश कर रही थीं। उनके बेटे क्रमशः 8 और 15 वर्ष के बताए जा रहे हैं। मां की अचानक और संदिग्ध मौत से दोनों बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतका के पिता रामदास, निवासी सहजना गांव, ने बताया कि सोमवार सुबह उन्हें सूचना मिली कि उनकी बेटी का शव नहर किनारे पड़ा हुआ है। जब वह मौके पर पहुंचे तो उन्होंने शव के आसपास खींचे जाने के निशान देखे, जिससे यह प्रतीत होता है कि हत्या कहीं और कर शव को नहर किनारे फेंका गया है। उन्होंने पुलिस को तहरीर देकर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

सूचना पर कोतवाली नगर प्रभारी पवन पटेल पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य एकत्र कर जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक दीक्षा शर्मा ने बताया कि मृतका के पिता की तहरीर के आधार पर तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। एक नामजद संदिग्ध से पूछताछ की जा रही है, जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों का गठन कर दिया गया है। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरते हुए पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

कैबिनेट मंत्री का किया भव्य स्वागत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर- सुमेरपुर कस्बा के एक गेस्ट हाउस में शनिवार को उत्साह और उल्लास से भरा स्वागत समारोह आयोजित किया गया, जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री कौशल किशोर, हज कमेटी के सदस्य कमरुद्दीन उर्फ जुगनू भाई, प्रदेश अध्यक्ष अल्पसंख्यक सभा कुंवर वासिद अली तथा दूरसंचार विभाग के सदस्य इकबाल खान का भव्य अभिनंदन किया गया। यह स्वागत कार्यक्रम सुल्तान अफसर एवं रमाकांत तिवारी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। जानकारी के अनुसार सभी विशिष्ट अतिथि लखनऊ से मौदहा में आयोजित होने वाले हॉकी टूर्नामेंट में प्रतिभाग करने के लिए जा रहे थे। उनके सुमेरपुर आगमन पर कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने ढोल-नगाड़ों के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया। गेस्ट हाउस परिसर में देशभक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला, जहां समर्थकों ने फूल-मालाओं से अतिथियों का सम्मान किया।

स्वागत समारोह के दौरान कैबिनेट मंत्री कौशल किशोर ने उपस्थित जनसमूह का अभिवादन करते हुए खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि खेल न केवल युवाओं को स्वस्थ रखते हैं, बल्कि उनमें अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता भी विकसित करते हैं। मौदहा में आयोजित हॉकी टूर्नामेंट जैसे आयोजन युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करते हैं। इस अवसर पर युवराज, प्रत्यूष साहू, रवि द्विवेदी, राहुल सिंह, दीपक साहू, अभिषेक गुप्ता, नेहाल, मोनू सोनी, वीरू सोनी, श्रवण आदित्य, दीपक शिवहरे, सुशील कुमार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

भाजपा कार्यकर्ताओं व नेताओं ने नवनियुक्त राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष का अभिनंदन किया

● नितिन नवीन की नियुक्ति से पार्टी में हर स्तर पर हर्ष और युवा वर्ग में अभूतपूर्व उत्साह- वीरेन्द्र सचदेवा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली 15 दिसम्बरः दिल्ली भाजपा कार्यकर्ताओं एवं नेताओं ने भाजपा नवनियुक्त राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन का अभिनंदन किया। नये कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन के दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरते ही वहां प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा एवं दिल्ली की मुख्य मंत्री रेखा गुप्ता ने राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े की उपस्थिती में पुष्प गुच्छ देकर और पटका पहना कर स्वागत किया।तत्पश्चात राष्ट्रीय कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा के नेतृत्व में दिल्ली भाजपा के प्रदेश पदाधिकारियों के आलावा सभी जिलों के हजारों पदाधिकारियों ने नये राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन का अभिनंदन किया।दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा है की नितिन नवीन की नियुक्ति से पार्टी में हर स्तर पर हर्ष है और युवा वर्ग में अभूतपूर्व उत्साह देखा जा रहा है। वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है की नितिन नवीन की नियुक्ति से जेनरेशन नेक्स्ट से भाजपा का जुड़ाव और मजबूत होगा। भाजपा ने एक बार फिर दिखा दिया है की यह पार्टी ही सामान्य कार्यकर्ता को उच्चतम पद तक ले जाती है।

राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद की बैठक सम्पन्न

● लखनऊ 2026 राष्ट्रीय महाधिवेशन को सफल बनाने का लिया गया संकल्प

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर- राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद (रजि0) के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र कुमार मिश्रा के निर्देश पर व जिलाध्यक्ष कपिल देव यादव एवं युवा प्रकोष्ठ के नेतृत्व में सोमवार 15 दिसंबर 2025 को प्रिया स्टूडियो, किंग रोड, हमीरपुर में संगठन की एक महत्वपूर्ण आवश्यक बैठक सफलतापूर्वक आयोजित की गई।

बैठक का मुख्य उद्देश्य जनवरी 2026 में लखनऊ में प्रस्तावित राष्ट्रीय महाधिवेशन की तैयारियों को लेकर रणनीति तय करना रहा। इस दौरान आई-कार्ड नवीनीकरण, पदाधिकारियों की जिम्मेदारियां, संगठनात्मक अनुशासन, विस्तार एवं मजबूती जैसे अहम विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में पदाधिकारियों एवं सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा गया कि आगामी राष्ट्रीय महाधिवेशन में हमीरपुर इकाई की सक्रिय और निर्णायक भूमिका होगी। सभी सदस्यों से आह्वान किया गया कि वे पूरी निष्ठा, समर्पण एवं एकजुटता के साथ अधिवेशन की तैयारियों में जुटें तथा आयोजन को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने में अपना योगदान दें। इस अवसर पर स्पष्ट किया गया कि महाधिवेशन में सम्मिलित होने हेतु सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों का आई-कार्ड नवीनीकरण अनिवार्य है, जिससे समय रहते प्रवेश पास जारी किए जा सकें। साथ ही यह भी कहा गया कि पत्रकार की पहचान केवल आई-कार्ड से नहीं, बल्कि उसके कार्य, आचरण और संगठन के प्रति निष्ठा से होती है।

बैठक में संगठन की गरिमा बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया और सभी सदस्यों को किसी भी प्रकार के असंवैधानिक, अनुचित अथवा परिषद की छवि को नुकसान पहुंचाने वाले कृत्यों से दूर रहने का निर्देश दिया गया। जिलाध्यक्ष कपिल देव यादव ने भरोसा दिलाया कि परिषद पत्रकारों के हितों की रक्षा, शोषण एवं उत्पीड़न के विरुद्ध संघर्ष में सदैव उनके साथ खड़ी है। बैठक में यह निर्णय भी लिया गया कि तहसील स्तर पर संगठन का विस्तार किया जाएगा तथा अधिक से अधिक पत्रकार साथियों को परिषद से जोड़ा जाएगा। साथ ही संगठन को सशक्त बनाने हेतु प्रत्येक माह आवश्यक बैठक आयोजित कर विचार-विमर्श किया जाएगा।

वक्ताओं ने कहा कि पत्रकार समाज का सजग प्रहरी और जन-जन की आवाज होता है, इसलिए निष्पक्ष, निर्भीक और जिम्मेदार पत्रकारिता के माध्यम से समाज हित में कार्य करना सभी का कर्तव्य है।बैठक के बाद परिषद की ओर से भोजन-प्रसाद की उत्कृष्ट व्यवस्था की गई। कार्यक्रम में कपिल देव यादव, राजेश यादव, सुरेंद्र सिंह, विवेक कुमार, अभिलाष सिंह, भगवत प्रसाद, दीपक सोनी, पवन गुप्ता, शैलेंद्र सिंह, दीप रतन, कुलदीप ओमरे, अजय सिंह, नितिन यादव, सुरेंद्र कुमार, स्वनेश कुमार सोनी, कृष्णकांत सिंह, अनेक पत्रकार साथी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मुस्करा मंडी के व्यापारियों के पास मिली स्टॉक से ज्यादा मूँगफली, एमएसपी से वंचित अन्नदाता

● मंडी सचिव ने अधिक स्टॉक मिलने पर एक व्यापारी को थमाया था नोटिस फिर भी नहीं हुई कार्यवाही

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर। योगी सरकार जहां एक तरफ किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य (MSP) दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है, वहीं हमीरपुर जिले के मुस्करा कस्बे की नवीन गल्ला मंडी में तैनात जिम्मेदार अधिकारी सरकार की मंशा पर पानी फेरते नजर आ रहे हैं। खबर दिखाए जाने के बावजूद प्रशासन की कुंभकर्णी नींद नहीं टूटी है, और इसका खामियाजा यहां के भोले-भाले किसानों को भुगतना पड़ रहा है।

केंद्र प्रभारी नदारद, किसान बेहाल मुस्करा स्थित नवीन गल्ला मंडी का हाल यह है कि यहां सरकारी मूंगफली खरीद केंद्र तो बना है, लेकिन केंद्र प्रभारी अक्सर अपनी कुर्सी से नदारद रहते हैं। किसान अपनी मेहनत की कमाई (मूंगफली) लेकर केंद्र पर पहुंचते हैं, लेकिन घंटों इंतजार के बाद भी उन्हें बैरंग लौटना पड़ता है। कोई सुनवाई न होने के कारण, मजबूर होकर किसान अपनी उपज मंडी में बैठे आढ़तियों को औने-पौने दामों में बेचने को विवश हैं। नतीजतन, किसानों को सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

सरकारी खरीद में 'गोलमाल' की आशंका

प्राप्त जानकारी और सूत्रों के अनुसार, मंडी के अंदर एक बड़ा 'खेल' चल रहा है। बताया जा रहा है कि सरकारी खरीद केंद्रों पर सरकारी मात्रा (कोटा) से कहीं अधिक स्टॉक जमा है। सवाल यह उठता है कि जब किसानों से खरीद नहीं हो रही।

आरोप है कि केंद्र प्रभारी और आला अधिकारियों की मिलीभगत से आढ़तियों द्वारा खरीदी गई मूंगफली को सरकारी खरीद में खपाने की जुगत लगाई जा रही है। आढ़तियों का माल सरकारी रजिस्टर में चढ़ाने के लिए यह पूरा षड्यंत्र रचा जा रहा है, जिसमें नीचे से लेकर ऊपर तक के अधिकारियों की संलिप्तता की बू आ रही है अधिकारियों की चुप्पी पर सवाल इस मामले में पहले भी खबर प्रकाशित कर प्रशासन को चेताया गया था, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। ऐसा प्रतीत होता है कि आला अधिकारी सब कुछ जानते हुए भी अनजान बने बैठे हैं, या शायद वे भी इस 'सिंडिकेट' का हिस्सा हैं। अब देखना यह होगा कि क्या जिला प्रशासन इस खबर के बाद अपनी नींद तोड़ता है और भ्रष्ट अधिकारियों व आढ़तियों के इस गठजोड़ पर कोई कार्रवाई करता है, या फिर मुस्करा का किसान यूं ही लुटता रहेगा।

पेंशनरों की तीन सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेशभर में धरना, केंद्र सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आजमगढ़ वित्त विधेयक 2025 और प्रस्तावित केन्द्रीय आठवें वेतन आयोग में पेंशनरों के हितों की अनदेखी के विरोध में सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश के आह्वान पर सोमवार को प्रदेशभर में धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। बड़ी संख्या में कर्मचारी, शिक्षक एवं पेंशनर आमसभा और धरना कार्यक्रम में शामिल हुए।

संगठन ने केंद्र सरकार से तीन प्रमुख मांगें उठाई— पहली, वित्त विधेयक 2025 में पेंशनरों के बीच तिथि के आधार पर किए गए विभेद को समाप्त किया जाए। दूसरी, केन्द्रीय आठवें वेतन आयोग के Terms of Reference में पेंशन पुनरीक्षण एवं अन्य पेंशनरी लाभों को स्पष्ट रूप से शामिल किया जाए।

तीसरी, पेंशन को (unfunded cost and non-contributory) बताने वाले क्लॉज संख्या स्र-3 को हटाया जाए। धरना स्थल पर वक्ताओं ने कहा कि पेंशन कोई दया या अनुग्रह नहीं, बल्कि सेवाकाल का लम्बित वेतन है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के डी.एस. नाकरा मामले के निर्णय का हवाला देते हुए कहा कि तिथि के आधार पर पेंशनरों में भेदभाव संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि पेंशनरों की मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी/पुलिस कमिश्नर के माध्यम से प्रेषित किया गया।

आजमगढ़ पब्लिक स्कूल में वार्षिक क्रीड़ा दिवस का भव्य आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आजमगढ़ पब्लिक स्कूल में आज वार्षिक क्रीड़ा दिवस का उल्लासपूर्ण आयोजन किया गया। यह दिन विद्यार्थियों में टीम स्पिरिट, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, खेल भावना और आत्मविश्वास के विकास का प्रतीक रहा। पूरे विद्यालय परिसर में उत्साह, ऊर्जा और प्रतिस्पर्धात्मक भावना देखने को मिली। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि श्री शुभम तोड़ी, डीएसपी, सीओ सिटी, आजमगढ़ के आगमन, स्काउट एवं गाइड द्वारा स्वागत तथा विद्यार्थियों के मधुर स्वागत गीत से हुआ। इस अवसर पर सभी अतिथियों का स्वागत स्मृति-चिह्न (मोमेंटो), अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। इसके उपरान्त विद्यालय ध्वजारोहण, कबूतरों को स्वतंत्र कर शांति का संदेश, मशाल रिले, अनुशासित मार्च-पास्ट एवं गुब्बारा विमोचन सम्पन्न हुआ। तत्पश्चात मुख्य अतिथि द्वारा क्रीड़ा महोत्सव का औपचारिक उद्घाटन किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती रूपल पंड्या द्वारा खिलाड़ियों को शपथ ग्रहण (ओथ टेकिंग) समारोह के माध्यम से खेलों में ईमानदारी, अनुशासन एवं खेल भावना बनाए रखने की शपथ दिलाई गई।

नर्सरी से कक्षा 9 तक के विद्यार्थियों ने विभिन्न ड्रिल प्रस्तुतियों एवं खेल प्रतियोगिताओं के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। आयोजित प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण हरिया के राजकीय विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मल्लखम्ब प्रदर्शन रहा, जिसने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक पिरामिड निर्माण, स्केटिंग, जूडो-कराटे तथा जिम्नास्टिक्स के शानदार प्रदर्शन के साथ हुआ, जिसने उपस्थित जनसमूह की भरपूर तालियाँ बटोरीं। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधक श्री सी. ए. मोहम्मद नोमान ने सभी अतिथियों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि श्री अजेन्द्र राय (अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन अंपायर), विशेष अतिथि श्री विश्वनाथ राम (वित्तीय एवं लेखा अधिकारी, बेसिक एवं माध्यमिक), प्रो. अमरजीत (कोच खेलो इंडिया), डॉ. शफीउज्ज़मा एवं मोहम्मद आरिफ नसीम साहब की गरिमामई उपस्थिति रही। इस भव्य कार्यक्रम की सफलता में विद्यालय की उपप्रधानाचार्या रुना खान एवं समर्पित शिक्षकों, क्रीड़ा प्रशिक्षकों, कर्मचारीयों एवं विद्यार्थियों का विशेष योगदान रहा।